04 - तिरुपति में प्रसादम् से खिलवाड़ आस्था पर आघात

05 - सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व का अनावरण

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 26 सितम्बर , 2024

06 - जनसुनवाई में दो दर्जन से अधिक शिकायतों का एसपी ने किया त्वरित...

07- अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के खेतों में पहुंचे...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष -22 अंक-29 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

महिला सुरक्षा और थानों में पुलिस की बढ़ती अमानवीयता

कुणाल पाठक

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक कालरा और भूगरा का कहना है कि 'यौन हिंसा उन संस्कृतियों में अधिक आम है जो पुरुषों की श्रेष्ठता और महिलाओं की सामाजिक और सांस्कृतिक हीनता की धारणा को बढ़ावा देती हैं।' भुवनेश्वर, ओडिशा में स्थित भरतपुर पुलिस थाने में घटी घटना इसकी पुष्टि करती है। पिछले 15 सितंबर, को एक महिला वकील, रेस्टोरेंट की मालिक और इंडियन आर्मी के कैप्टन की मंगेतर के साथ थाने में जो घटित हुआ वो विचलित करने वाला है। हर क्षेत्र में महिलाओं की तमाम सफलताओं के बावजूद पुरुषों में व्याप्त श्रेष्ठता की भावना और महिलाओं को हीन समझने का दृष्टिकोण व्यापक आपदा का रूप धारण कर चुका है।

हर तरह से सशक्त यह महिला अपने मंगेतर के साथ जब थाने में कुछ गुंडों की शिकायत करने जाती है तो उसे पुलिस स्टेशन में यौन हिंसा का शिकार होना पड़ता है। पीड़िता कहती हैं कि- जब उन्होंने भुवनेश्वर स्थित भरतपुर थाने में जाकर उन गुंडों की शिकायत दर्ज करवाने की कोशिश की तो थाने में मौजूद महिला कर्मियों ने उनकी बात नहीं सुनी। जब मैंने अपनी शिकायत पर जोर डाला और अपनी परेशानी को लेकर बोलना शुरू किया तो पुलिस ने मेरे मंगेतर को कस्टडी में ले लिया और जब मैंने विरोध किया तो 'दो महिला अधिकारियों ने मेरे बाल खींचना शुरू कर दिया और मुझे पीटना शुरू कर दिया। जब मैंने उनसे रुकने की विनती की तो वो मुझे थाने के गलियारे से घसीटकर ले गए'। उसके साथ दुर्व्यवहार हुआ।

घटना के चार दिन बाद, पीड़ित 19 सितंबर को जनता के सामने आई तब जाकर ये बातें सामने आईं। एक सामान्य नागरिक होने के नाते अब मुझे यह नहीं समझ आ रहा है कि 'क़ानून का पालन' करने वाला नागरिक होना कोई अच्छी बात है या यह मेरा डर है? क्योंकि जब क़ानून का पालन करवाने वाले दरिंदगी करने लगें, थाने के अंदर पुलिस की जगह जानवरों का हुजूम इकट्ठा हो जाए और पुलिस अधिकारी जिन्हें महिलाओं की सुरक्षा करनी चाहिए, जो हर साल 'महिला शक्ति' को लेकर कार्यक्रम चला रहे हैं वो अगर थानों में महिलाओं के साथ अपनी घृणित फैंटेसी पूरी करने लगें तो क्या कानून के मायने ही विलुप्त नहीं हो जाएंगे?

सवाल यह है कि जब एक सफल और समृद्ध पृष्ठभूमि से आने वाली महिला जो स्वयं वकील है, प्रदेश की राजधानी में रेस्टोरेंट की मालिक है, जिसके पिता स्वयं सेना से रिटायर्ड ब्रिगेडियर हैं और मंगेतर सेना में कैप्टन है, अगर उसके साथ यह सब हो सकता है तो आम महिलाओं के साथ थाने में क्या व्यवहार होता होगा? उन महिलाओं के साथ थाने में क्या व्यवहार होता होगा जो बलात्कार की शिकायत लेकर पहुँचती होंगी? और जरा सोचिए उन महिलाओं के बारे में जो किसी पुलिसकर्मी की शिकायत लेकर पहुंची हों?

अच्छा होता कि ओडिशा सरकार पीड़िता के साथ खड़ी रहती लेकिन 5 पुलिसकर्मियों के निलंबन के ओडिशा डीजीपी के आदेश के बाद भुवनेश्वर के डीसीपी प्रतीक सिंह का बयान सामने आया है। वो पुलिस को बचाना चाहते हैं और इसकी कीमत के रूप में महिला/पीड़िता की कमियों की ओर इशारा किया जा रहा है। सवाल यह है कि क्या घटना के समय डीसीपी साहब थाने में मौजूद थे? अगर नहीं तो उनके पास जो भी सूचनाएं हैं वो किसके द्वारा दी गई हैं? जवाब कठिन नहीं है, उन्हें मिली सूचनाएं भरतपुर थाने से ही आई हैं, वही थाना जिसके 5 पुलिसकर्मियों को डीजीपी ने सस्पेन्ड कर दिया है, वही थाना जिसके ऊपर स्वयं यह आरोप है कि वहाँ, महिला का यौन उत्पीड़न हुआ है।

समझदारी इसमें होती कि जब तक जांच के बाद सभी बातें सामने नहीं आतीं प्रशासन को महिला के साथ खड़ा होना चाहिए था। लेकिन उनकी पुलिसिंग कहीं नज़र नहीं आई। डीसीपी साहब को जवाब देना चाहिए कि महिला के कहने पर एफआईआर क्यों नहीं लिखी गई? क्या एक महिला को अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए अग्नि परीक्षा देनी पड़ेगी? महिला को चोट क्यों लगी? महिला के मंगेतर और सेना में कैप्टन गुरवंश सिंह गोसल की पैंट क्यों उतरवाई गई? कैप्टन को क्यों पुलिस कस्टडी में रखा गया? पुलिस को बताना चाहिए कि आखिर वो एफआईआर क्यों नहीं लिखना चाहती थी?

सोशल मीडिया में महिला को बदनाम करने के लिए तमाम वीडियो जारी किए गए हैं। यह बताने की कोशिश जारी है कि उन्होंने शराब पी रखी थी? संभवतया यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि भरतपुर पुलिस स्टेशन के कुकर्मों को छिपाया जा सके। पुलिस के लिए थाने के भीतर यौन उत्पीड़न करना कोई नई बात नहीं है। 2020-21 का नवदीप कौर का मामला ही ले लीजिए। नवदीप उस समय 23 साल की थीं, मज़दूर अधिकार संगठन जुड़ी एक जुझारू दलित, महिला ऐक्टिविस्ट। एक दिन जब वो नवदीप ने जब जेल में अन्य महिलाओं से बात की तो पता चला मामला और भी अधिक गंभीर है। उन्हें अनगिनत महिलायें मिलीं जिन्हें हिरासत में पीटा गया, यौन उत्पीड़न किया गया, बलात्कार किया गया और हाथ-पैर तोड़ दिए गए। अगर मामला पुलिस के ही खिलाफ़ हो तो वह एक सिस्टम की तरह लड़ती है और नागरिक को अकेले लड़ना पड़ता है। पुलिस के पास सबूत बनाने और बिगाड़ने के संसाधन उपलब्ध हैं जबकि नागरिक के पास अपना ही पक्ष रखने के लिए संसाधनों की कमी पड़ जाती है। इसीलिए अक्सर जिन नागरिकों से यह देश बना है, जिन्हें संविधान समर्पित किया गया है, जिनके लिए तमाम प्रशासन है वो फेल हो जाते हैं और कानून की आड़ में अपराध करने वाले जीत जाते हैं। आँकड़े भी इसकी तसदीक कर रहे हैं। जॉर्जटाउन इंस्टीट्यूट द्वारा जारी महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक-2023 के अनुसार, भारत महिलाओं को समावेशी माहौल देने व न्याय और सुरक्षा के मामले में 177 देशों में 128वें स्थान पर रहा। सूचकांक में यह भी कहा गया है कि भारत 2022 में महिलाओं के खिलाफ़ होने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में शीर्ष 10 सबसे ख़राब देशों में से एक है। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2013 (POSH अधिनियम) जैसे क़ानून भी बेअसर है, क्योंकि महिलाओं के यौन उत्पीड़न को नकारने की प्रवृत्ति यहाँ की सांस्कृतिक विशेषता और सामाजिक सच्चाई बनती जा रही है।

इसलिए ओडिशा मामले में कोई जल्दबाजी करने से पहले डीसीपी प्रतीक और तमाम सोशल मीडिया में उपस्थित 'फ्लोटिंग मोरलिटी' के मालिकों को चाहिए कि पुलिस और प्रशासन के मूल चरित्र को समझें और फिर समाज में महिलाओं की स्थिति को उसके साथ इन्टीग्रेट करके ही किसी विचार का निर्माण करें। हमारे विचार, हमारा एक सोशल मीडिया पोस्ट भर नहीं होना चाहिए।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

मैं-वो जो भी है

कई बार मनहूसियत की हद तक संजीदा
तो कई बार रोके नहीं रुकती हँसी
कभी खिलंदड़ कभी चुप्पा
कभी लगता हैं सब छोड़ पहाड़ों पर कर लूँ बसेरा
और फिर घर की नेमप्लेट पर निहारती रहती हूँ
अपना नाम
कभी सब मोतीचूर के लड्डू सा मीठा लगता है
और भीतर जलती ही रहती है आग निरंतर
धुँधआता रहता है मन
मैं कभी दुनिया जीत लेना चाहती हूँ
कभी सब हार जाना चाहती हूँ
मुझे समझ नहीं आता मैं कौन हूँ
मुझे अपने ऐसा वैसा या कैसा भी होने पर बिल्कुल
यक़ीन नहीं
मैं खुद से हैरान एक शख़्स हूँ
जो अपना ही भरोसा तोड़ देती है अक्सर।

- श्रुति कुशवाहा

कांग्रेस को लाने का मतलब 'विकास' को दांव पर लगाना

पीएम मोदी बोले-

- कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी
- कर्नाटक-हिमाचल में ये आपस में लड़ रहे

सोनीपत (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोनीपत के गोहाना में रैली की। मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है। कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है। प्रधानमंत्री ने 10 साल पहले पहले सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कहा कि कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को वापस लाना चाहती है। पीएम ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य बीजेपी सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं।

आरएसएस चूहे की तरह घुसपैठ कर झारखंड को बर्बाद कर रहा

रांची (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संघ की तुलना चूहे से की है। न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उन्होंने राज्य के लोगों

से कहा कि आरएसएस चूहे की तरह राज्य में घुसपैठ कर उसे बर्बाद कर रहा, उन्हें अपने गांवों से भगाएं। साहिबगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी सामाजिक अराजकता पैदा करने के लिए हिंदू और मुस्लिम के बीच नफरत के बीज बो रही है।

मध्यप्रदेश में फिर बारिश का दौर, 41 जिलों में अलर्ट

- भोपाल, नर्मदापुरम और सीहोर में गिरा पानी; खंडवा में बिजली गिरने से महिला की मौत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) के असर से अगले तीन दिन तेज बारिश का दौर बना रहेगा। नर्मदापुरम के पिपरिया और बालाघाट में बुधवार सुबह बारिश हुई। दोपहर में टीकमगढ़ और सीहोर के आष्टा में पानी गिरा। भोपाल में दोपहर 12 बजे के बाद तेज बारिश हुई। राजगढ़ के पचोर में तेज बारिश से हाईवे पर पानी भर गया। खंडवा में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने इंदौर-उज्जैन समेत 31 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। दक्षिणी हिस्से के जिलों जैसे- बैतूल, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, सिवनी और पांढुर्णा में भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट है। अगले 24 घंटे में सीहोर, खंडवा, झाबुआ, रतलाम, देवास, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश हो सकती है।

साबरकांठा में ट्रक से टकराई कार, 7 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के साबरकांठा में हिम्मतनगर हाईवे पर एक इनोवा कार की बुधवार सुबह ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में कार सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 1 गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी 8 लोग अहमदाबाद के रहने वाले थे। वे शामलाजी से अहमदाबाद की

ओर जा रहे थे। इसी दौरान इस कार की ट्रक के पिछले हिस्से से टक्कर हुई। हादसा इतना गंभीर था कि कार का बंपर उड़ गया था और शव कार में फंस गए थे। शवों को निकालने के लिए कार की बॉडी को गैस कटर से काटना पड़ा। पुलिस बोली- कार तेज रफ्तार में थी एसपी एके पटेल ने बताया कि उनकी टीम मौके पर पहुंची तब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी थी।

पं. दीनदयाल जी का दर्शन मानवता की भलाई का मार्ग दिखाता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश की बुनियाद से जुड़कर कार्य करने की दी प्रेरणा

मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें माल्यार्पण कर किया नमन

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष में लाल घाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने शरीर, मन, बुद्धि, आत्मा से मानवता का भला करने का दर्शन दिया। उनका मानना था कि देश की जड़ों से जुड़कर हम कार्य करें और अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का भला करें। शांति के अग्रदूत के रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पं. दीनदयाल उपाध्याय की सोच को क्रियान्वित करते हुए विकास और जनकल्याण के कार्य पूरे देश में जारी है। उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संपूर्ण प्रदेश में अभियान जारी है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा लगाए गए जनसंघ के पौधे का विस्तार विचार के रूप में देश ही नहीं दुनिया के विभिन्न भागों तक हुआ है। जन-कल्याण की कई योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य सरकार देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

सांसद श्री शर्मा

सांसद श्री वी.डी. शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के आधार पर ही विश्व के सबसे बड़े संगठन ने अपना विस्तार किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को धरातल पर उतारने के पुनीत कर्तव्य को समर्पित हैं। उनकी जयंती पर प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और गांव-गांव में उनके विचारों पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। अधिक से अधिक लोगों को उनके विचार से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त-घुमन्तु और अर्द्ध-घुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अक्टूबर में 20 दिन खुलेंगे सरकारी दफ्तर 11 दिन छुट्टी

18 का अवकाश लेकर चार दिन छुट्टी मनाएंगे कर्मचारी

भोपाल(नप्र)। अक्टूबर त्योहारों का महीना है। इसमें दशहरा, करवा चौथ और दीपावली जैसे बड़े त्योहार पड़ रहे हैं। त्योहारों की वजह से सरकारी कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले है। वे सिर्फ 20 दिन दफ्तर जाएंगे और 11 दिन अवकाश मनाएंगे। कोई बाहर (यात्रा पर) जाने का प्लान कर रहा हो, तो 18 अक्टूबर का अवकाश लेकर 4 दिन की लगातार छुट्टी मना सकता है। क्योंकि 17 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकी जयंती की छुट्टी है और 19 एवं 20 अक्टूबर को शनिवार एवं रविवार का अवकाश है। महीने के पहले दिन 1 अक्टूबर से ही छुट्टियों की शुरूआत हो जाएगी। इस दिन प्राणनाथ जयंती है और मध्य प्रदेश सरकार ने इसे ऐच्छिक अवकाश घोषित किया है। 2 अक्टूबर गांधी जयंती का सार्वजनिक अवकाश है। 3 अक्टूबर को महाराज अग्रसेन जयंती है, यह भी ऐच्छिक अवकाश है और 12 अक्टूबर को दशहरा है। इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहेगा। 17 अक्टूबर को महाराज अजमोढ़ देव जयंती एवं टेकचंद महाराज का समाधि उत्सव, 20 को करवा चौथ, 23 को बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना साहब का जन्मदिन है। इनमें भी ऐच्छिक अवकाश रहेगा। जबकि 30 अक्टूबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश है।

बैंकों में 7 दिन छुट्टी

बैंकों में 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 6 अक्टूबर को रविवार, 12 को दशहरा एवं दूसरे शनिवार और 13 अक्टूबर को रविवार का अवकाश रहेगा। 26 को माह के चौथे शनिवार, 27 को रविवार और 31 अक्टूबर को दीपावली के कारण बैंक बंद रहेंगे।

मालवा एक्सप्रेस में निकली चिंगारी, उठा धुआं

इंदौर में पहियों के ब्रेक चिपके

इंदौर (नप्र)। इंदौर में मालवा एक्सप्रेस के पहियों के ब्रेक चिपक गए। चिंगारी के साथ धुआं निकलने लगा। ये देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, समय रहते धुएं को काबू कर लिया गया। रेल एक्सपर्ट का कहना है कि ट्रेन मूल रफ्तार में दौड़ रही होती तो कोच पलट जाते।

मालवा एक्सप्रेस महू-इंदौर से वैष्णोदेवी-कटरा (जम्मू) के लिए जाती है। रेल अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन महू से इंदौर तक 21 किलोमीटर की दूरी धीरे-धीरे तय करती है। इसी दौरान राजेंद्र नगर के पास ट्रेन के पहिए चिपक गए। इसी तरह 20 दिन पहले भी सीहोर में ऐसी घटना हुई थी।

तेज आवाज के साथ निकली चिंगारी- घर्षण होने पर यात्रियों ने बाहर की तरफ देखा तो एसी कोच के पहियों से चिंगारी निकल रही थी। थोड़ी देर में धुआं निकलने लगा। यात्रियों ने ट्रेन मैनेजमेंट को सूचना दी। राऊ के पास ट्रेन को रोका गया। यार्ड से एक्सपर्ट इंजीनियर पहुंचे और फायर एस्टिंग्विशर से पहियों पर गैस डाली। ट्रेन कुछ देर राजेंद्र नगर यार्ड में खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन को धीरे-धीरे इंदौर स्टेशन पर लाया गया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 26 सितम्बर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

10 साल तक दुनिया का सरताज बना रहेगा भारत !

चीन, अमेरिका और जापान...कोई नहीं है टक्कर में, सबको छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है और अगले कई साल तक इसके टॉप पर रहने का अनुमान है। वर्ल्ड बैंक और आईएमएफ समेत दुनिया की कई एजेंसियों भारत की इकॉनमी का लोहा मान चुकी हैं।

इंडेक्स 2024 के मुताबिक अगले 10 साल में भारत का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 6.3 फीसदी रहेगा। दूर-दूर तक कोई भारत के मुकाबले में नहीं है। इस दौरान चीन का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 4 फीसदी और अमेरिका का 1.4 फीसदी रहने की उम्मीद है। भारत के बाद दूसरे नंबर पर यूएई रहेगा जिसका अगले 10 साल में एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

भारत अभी दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है और माना जा रहा है कि जल्दी ही वह जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। इंडेक्स 2024 के मुताबिक अगले 10 साल में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में इंडोनेशिया तीसरे नंबर पर रहेगा। वहां का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

उसके बाद सऊदी अरब (4.6 फीसदी), तुर्की (4 फीसदी) और चीन का नंबर है। रूस, पोलैंड, साउथ अफ्रीका, सिंगापुर, मेक्सिको, चिली, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना की इकॉनमी के 2 फीसदी से अधिक रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान आयरलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य, साउथ कोरिया, ब्राजील, अमेरिका, यूके, नीदरलैंड, जापान, कनाडा और पुर्तगाल का एवरेज जीडीपी ग्रोथ रेट एक से दो फीसदी के बीच रहने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते

- कर्नाटक एचसी के जज के बयान से सीजेआई ने जताई असहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जजों को हिदायत दी कि वे किसी समुदाय पर कमेंट करते वक्त लापरवाही ना बरतें। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच कर्नाटक हाईकोर्ट के जज के विवादित कमेंट का मामला सुन रही थी जिसमें जज ने बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कह दिया था। सीजेआई ने कहा कि आप देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा के इस कमेंट का वीडियो वायरल हो गया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद इस मामले की सुनवाई शुरू की।

दिल्ली में फिर आने वाला है ऑड-ईवन

- नवंबर में कृत्रिम बारिश कराने की भी तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दीवाली और नए साल के जश्न के दौरान होने वाले प्रदूषण को लेकर सरकार पहले ही सतर्क हो गई है। हर साल दिल्ली में यह बड़ी समस्या बन जाती है। इसे देखते हुए आतिशी सरकार ने एक बार फिर ऑड ईवन लागू करने के संकेत दिए हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अगर दिल्ली में एक्यूआई का स्तर 450 से अधिक होता है तो ऑड ईवन लागू किया जा सकता है। इतना ही नहीं सरकार 1 से 15 नवंबर के बीच दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराने की भी तैयारी कर रही है। गोपाल राय ने कहा कि सरकार ने बड़ा फैसला किया है।

कृषि कानूनों की वापसी वाले बयान पर कंगना की माफी

- बोली-मैं अब सिर्फ कलाकार नहीं, राजनेता भी, अपने शब्द वापस लेती हूं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश से बीजेपी सांसद एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कृषि कानूनों को लेकर दिए बयान पर माफी मांग ली है। कंगना ने कहा- यदि मैंने अपने बयान से किसी को

डिसअपॉइंट किया हो तो मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। कंगना ने अपने बयान पर सफाई तब दी है जब उनके बयान को लेकर विपक्ष बीजेपी को घेरने में लगा था। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच आए कंगना के बयान से भाजपा ने भी कि किनारा कर लिया था।

हॉस्टल में 2 छात्रों की करंट लगने से मौत

पानी की टंकी में मिले; छात्रावास अधीक्षक और सहायक आयुक्त आदिवासी विकास निलंबित

धार (नप्र)। धार के जनजातीय सीनियर बालक छात्रावास में दो छात्रों की करंट लगने से मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे की है। बताया जा रहा है कि दोनों छात्र सफाई करने हॉस्टल में पानी की टंकी में उतरे थे। इसी दौरान टंकी में लगी मोटर के तार से करंट फैल गया और दोनों उसकी चपेट में आ गए। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही कुछ स्पष्ट करने की बात कह रही है।

मामले में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने छात्रावास अधीक्षक बन सिंह कन्नौज को निलंबित कर दिया है। साथ ही जांच के लिए एक टीम भी बनाई है। इधर, संभागायुक्त दीपक सिंह ने धार जिले के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को निलंबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये बच्चों की सुरक्षा के प्रति अक्षम्य लापरवाही है। उन्होंने संभाग के सभी आश्रमों और छात्रावासों में उचित व्यवस्था होने के निर्देश दिए है।

मृतक के परिवारजनों को जिला प्रशासन द्वारा रेडक्रॉस से आर्थिक सहायता जारी की गई है। छात्रावास अधीक्षक को प्रथम दृष्ट्या लापरवाही बरतने के लिए सस्पेंड किया गया है। साथ ही खंड विकास अधिकारी सरदारपुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

विकास | आकाश

हॉस्टल में पानी भरने आए एक ग्रामीण ने ये देखा और बाकी छात्रों और वार्डन को सूचना दी। इसके बाद दोनों छात्रों को अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में विकास पिता संग्रामसिंह (17) और आकाश पिता शैतान निनामा शामिल हैं। दोनों कक्षा 12वीं के छात्र थे।

साथी बोले- पानी भरने वालों से पता चला- हॉस्टल के छात्र रोहित ने बताया, हम सुबह नाश्ता करने जा रहे थे। तभी हॉस्टल में पानी भरने आने वाले लोगों ने बताया कि टंकी में दो बच्चे पड़े हैं। हम वहां पहुंचे और दोनों को बाहर निकाला। तब उनकी सांसें चल रही थीं। दोनों को हॉस्पिटल लेकर पहुंचे तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

टंकी में बाल्टी और चप्पल मिली- असिस्टेंट कमिश्नर बृजकुमार शुक्ला का कहना है कि अभी ये स्पष्ट नहीं है कि दोनों छात्र टंकी तक कैसे पहुंचे। जांच के बाद ही कारणों का पता चलेगा। टंकी के अंदर पानी की बाल्टी, बर्तन और एक छात्र की चप्पल मिली है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि छात्रों को टंकी के अंदर ही करंट लगा होगा।

राज्यपाल श्री पटेल ने मुख्य न्यायाधिपति को शपथ दिलाई

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 28वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ न्यायमूर्ति श्री सुरेश कुमार कैत को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति को शपथ ग्रहण के बाद पुष्प-गुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया। उन्होंने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया। शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, खजुराहो सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, रजिस्ट्रार जनरल जबलपुर हाई कोर्ट श्री मनोज श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश एवं दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय भोपाल के न्यायाधीश, बार एसोसियेशन के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि, विधि-विधायी कार्य एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जम्मू-कश्मीर के स्टेटहुड के लिए हम सड़क पर उतरेंगे

राहुल बोले-राज्य का दर्जा छीनकर यूटी बना दिया,भारत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ

श्रीनगर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू में कहा कि अगर विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया तो इंडिया ब्लॉक संसद के अंदर अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा और जरूरत पड़ी तो सड़क पर भी उतरेगा। राहुल यहां एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटा गया था, तो यहां के लोगों के साथ बहुत अन्याय हुआ है। भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि हमने किसी राज्य का राज्य का दर्जा छीन लिया हो और उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया हो। यह तीन हफ्तों में राहुल गांधी का तीसरा जम्मू-कश्मीर दौरा है।

इसके पहले 4 सितंबर को उन्होंने बनिहाल और दूरू का दौरा किया था, वहीं 23 सितंबर को वे सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग आए थे। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत

दूसरे चरण का मतदान हो रहा है। हम चाहते थे कि चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जाए बारामूला में राहुल ने कहा- हम चाहते थे कि चुनाव से पहले जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड दिलाने की मांग

हिंदुस्तान में पहले यूनियन टेरिटरी को स्टेट में बदला गया है। बहुत बार हुआ है कि यूनियन टेरिटरी को स्टेट में बदला गया है। स्टेट के दो भाग भी किए हैं। मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ निकाला गया। झारखंड बिहार में से बनाया गया, लेकिन पहली बार किसी स्टेट को यूटी बनाया गया। आपका लोकतांत्रिक हक आपसे छीना गया है। यह हिस्ट्री में पहली बार हुआ है। हमारी मांग है कि एक बार फिर आपको स्टेट का हक दिया जाए। नोटबंदी, गलत जीएसटी लागू किया। छोटे बिजनेसमैन को इन्होंने खत्म किया। इससे हिंदुस्तान में कहीं भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। यही हालात जम्मू-कश्मीर में है। आज बाहर के लोग यहां का फैसला लेते हैं। आपकी सरकार को चलाने में आपकी आवाज ही नहीं है। आपकी सरकार दिल्ली से चलती है।

साहित्यकार सुरेश सौरभ सम्मानित

लखीमपुर खीरी। हिंदी सप्ताह समापन समारोह में राष्ट्रभाषा सेवा समिति सम्बद्ध नागरी प्रचारिणी सभा काशी द्वारा साहित्यकार सुरेश सौरभ को समिति के अध्यक्ष से अभय कुमार अग्निहोत्री ने अंग वस्त्र एवं अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आर्य कन्या इंटर कालेज में आयोजित समारोह में ज्ञानेंद्र सक्सेना ने सौरभ के अभिनंदन पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ.डी.एन.मालपानी, अजय कुमार शुक्ला, राम मोहन गुप्त, डॉ. दयानंद शुक्ल,कमलेश धुरंधर, संजीव मिश्र, व्योम, विजय बादल, संरक्षक मेजर यज्ञ दत्त मिश्र,आदि प्रबुद्ध विद्वानों कवियों ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए अपने विचार रखें। समारोह में हिंदी में अच्छे अंक पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। संचालन रूचि श्रीवास्तव ने किया। उल्लेखनीय है सुरेश सौरभ की रचनाएं देश के प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रही हैं। तालाबंदी, नोटबंदी, गुलाबी गलियां घरों को ढोते लोग, इस दुनिया में तीसरी दुनिया, मन का फेर, बेरंग, आदि महत्वपूर्ण संग्रह सौरभ के प्रकाशित हो चुके हैं।

सम्मानित होने पर डॉ.द्वारिका प्रसाद रस्तोगी, डॉ. मृदुला शुक्ला, नंदी लाल, श्याम किशोर 'बेचैन', सत्य प्रकाश शिक्षक विकास सहाय, संजीव जायसवाल 'संजय' आदि साहित्यकारों समाजसेवियों ने सौरभ को बधाई दी है।

बदलापुर की इस घटना को एनकाउंटर मानना मुश्किल

हाईकोर्ट बोला-रिपोर्ट बताती है गोली सिर पर मारी,सेल्फ डिफेंस में तो पैर पर गोली चलाते हैं

मुंबई (एजेंसी)। ठाणे के बदलापुर में नर्सरी की दो बच्चियों के साथ यौन शोषण के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सवाल उठाए। कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से पूछा- हम कैसे मान लें कि 4 अफसर एक आरोपी को संभाल नहीं पाए। हथकड़ी भी लगी थी, अगर सेल्फ डिफेंस जैसी स्थिति थी तो आरोपी के पैर पर गोली मारते हैं, सिर में नहीं। बेंच ने कहा- अगर गोली चलाने वाला अफसर असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर है, तब वह यह नहीं कह सकता कि उसे रिएक्ट कैसे करना है, इसकी जानकारी नहीं थी। उसे पता होना चाहिए कि फायर कहां करना है। कोर्ट ने कहा- जैसे ही आरोपी ने ट्रिगर दबाया 4 लोग आसानी से उस पर काबू पा सकते थे। वो कोई बहुत मजबूत आदमी नहीं था। यह स्वीकार करना बहुत मुश्किल है। इसे एनकाउंटर नहीं कहा जा सकता है। अक्षय के पिता ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाकर एनकाउंटर की सीबीआई से जांच की मांग की है।

रूस को जंग रोकने के लिए हमें ही मजबूर करना होगा

- जेलेंस्की ने यूएनएससी में कहा- सिर्फ बातचीत से नहीं निकलेगा हल,पुतिन खुद पीछे नहीं हटेंगे

जिनेवा (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच जंग रुकवाने के लिए सिर्फ बातचीत काफी नहीं है। अलजजीरा के मुताबिक, न्यूयॉर्क में यूएनएससी की बैठक में जेलेंस्की ने कहा, पुतिन अंतरराष्ट्रीय अपराध कर रहे हैं। वे अब तक इतने सारे कानून तोड़ चुके हैं कि अब वे खुद नहीं रुकेंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, यह जंग खुद से खत्म नहीं होगी। पुतिन थककर युद्ध नहीं रोकने वाले हैं।

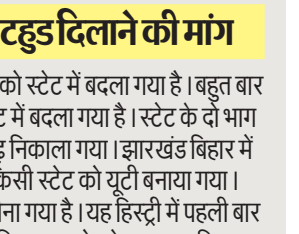

बीजेपी के करीब आ रहे हैं या कुछ और है तैयारी

- नीतिश व नायडू के मन को टटोलना हो रहा है मुश्किल
- बिहार सीएम ने 8 महीने बाद की पीएम मोदी की तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतिश-नायडू... इन दो नेताओं की अहमियत बीजेपी के लिए क्या है, शायद यह बताने की जरूरत नहीं। मोदी 3.0 में एनडीए में वैसे तो कई दल शामिल हैं लेकिन चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी और नीतिश की जेडीयू की खास जगह है। 4 जून को जब से लोकसभा के नतीजे सामने आए उसके बाद से इन दो दलों को लेकर कयासों का दौर जारी है। नीतिश-नायडू के हर बयान के मायने मतलब राजनीतिक गलियारों में निकाले जाते हैं। हाल ही में इन दोनों नेताओं ने ऐसे कदम उठाए हैं जिसे कुछ लोग बीजेपी के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों के तौर पर देख रहे हैं तो वहीं कुछ लोग अलग रणनीति मान रहे हैं। नीतिश और नायडू इन दोनों नेताओं

ने हाल ही में ऐसे कदम उठाए हैं जिन्हें हिंदू वोट बैंक को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। नायडू ने लड्डू में पशुओं की चर्बी मिलने का आरोप लगाया है।

नीतिश के बयान पर बीजेपी नेता भी हैरान

नीतिश कुमार ने 8 महीने बाद ऐसा क्यों कहा। राम मंदिर के लिए मोदी की प्रशंसा और सीतामढ़ी और अयोध्या के बीच सीधी रेल लिंक की मांग ने बिहार बीजेपी के नेताओं के मन में भी आशंका पैदा कर दी है। बीजेपी नेताओं को लगता है कि जिन वोटों के दम पर लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बेहतर प्रदर्शन किया उस वोट बैंक में नीतिश कुमार सेंध लगाने की कोशिश कर सकते हैं। नीतिश कुमार ने पहले कभी ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की है। पिछले आठ महीनों से, गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, वह चुप रहे हैं। अब यदि वह ऐसी बात कह रहे हैं तो उसके पीछे उनकी कोई न कोई बात जरूर होगी।

नायडू के निशाने पर सिर्फ जगन तो नहीं

चंद्रबाबू नायडू के निशाने पर जगन मोहन तो थे ही क्योंकि अब भी वह राज्य के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी की हालत खराब है और नायडू और अधिक चोट करना चाहते हैं। इसके अलावा पवन कल्याण फैक्टर भी है। आंध्र के डिप्टी सीएम और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के नेता पवन कल्याण राज्य में एक प्रमुख चेहरे को तौर पर उभरे हैं। बीजेपी के साथ भी संबंध मजबूत हैं। पीएम मोदी ने भी इनकी तारीफ करते हुए कहा था कि पवन नहीं आंधी है। तिरुपति लड्डू विवाद जब छिड़ा तो अभिनेता से नेता बने कल्याण कहीं अधिक आक्रामक नजर आए। ऐसे में यह माना जा रहा है कि चंद्रबाबू नायडू ने ऐसे ही यह कदम नहीं बढ़ाया। हिंदू वोटों के बीच वह अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहते हैं।

नगरीय क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली 1264 किमी सड़कों की स्वीकृति

कायाकल्प योजना में नगरीय निकायों में चल रहा है सड़कों के सुधार का काम

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में नगरीय विकास विभाग की कायाकल्प योजना के माध्यम से नगरीय निकायों की सड़कों के सुधार, उन्नयन एवं निर्माण का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। पिछले वर्ष इस योजना में 1200 करोड़ रूपये की नवीन सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। नगरीय निकायों द्वारा सैद्धांतिक स्वीकृति जारी एवं निविदा प्रक्रिया के बाद उच्च गुणवत्ता वाली करीब 1264 किलोमीटर सड़कों के उन्नयन एवं निर्माण की स्वीकृति भी दी जा चुकी है। वर्तमान में 343 किलोमीटर डामरीकृत एवं 204 किलोमीटर सीमेंट-कांक्रीट सड़कों का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

कायाकल्प योजना में मॉनीटरिंग के लिये मोबाइल एप्लीकेशन

प्रदेश में कायाकल्प योजना में गुणवत्ता नियंत्रण और मॉनीटरिंग के लिये मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया गया है। इसके माध्यम से टेस्ट परिणामों की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिये बारकोड के माध्यम से रेण्डम लैब का चयन किया जाता है। इसके साथ ही सभी जिलों में स्टेट क्वालिटी मॉनीटर्स की तैनाती की गई है। प्रदेश के सभी संभागों में मोबाइल टेस्टिंग लैब के माध्यम से कार्यस्थल पर टेस्टिंग का कार्य किये जाने की व्यवस्था भी की गई है।

ई-नगरपालिका के माध्यम से नागरिक सेवाएं

प्रदेश में स्थानीय निकायों द्वारा नागरिकों को दी जाने वाली 23 प्रकार की सुविधाएँ ई-नगरपालिका के माध्यम से ऑनलाइन प्रदान की जा रही हैं। ऑनलाइन भवन अनुज्ञा अंतर्गत लगने वाली समय-सीमा को 30 दिन से घटाकर 15 दिन किया गया है। अनाधिकृत कालोनियों में विकास कार्य तथा भवन अनुज्ञा के नियमितीकरण तथा कालोनी विकास के प्रावधान अधिनियमों में संशोधन करके आम नागरिकों को राहत दी गई है। संपत्तिकर के संबंध में नये नियम बनाये गये हैं। जिसमें कर योग संपत्ति मूल्य में वृद्धि को संपत्ति के बाजार मूल्य में वृद्धि से जोड़ा गया है। नगरीय मूलभूत सेवाओं के संचालन एवं संधारण व्यय की शत-प्रतिशत प्रतिपूर्ति के लिये उपभोक्ता प्रभार नियम लागू कर दिये गये हैं।

सांड की टक्कर से मौत, रोड पर शव रखकर प्रदर्शन

रहवासियों ने नगर निगम के खिलाफ किया चक्काजाम, अधिकारियों को चूड़ियां दिखाई

रतलाम (नप्र)। रतलाम में दो दिन पहले सांड की लड़ाई में घायल हुए बुजुर्ग की बुधवार सुबह मौत हो गई। इसके बाद क्षेत्रवासियों ने नगर निगम के खिलाफ आक्रोश है। रहवासियों ने संत रविदास चौक में बीच सड़क पर शव रख कर चक्काजाम किया। लोग अवैध तबेले हटाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि महापौर और अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। हंगामा स्थल पर एसडीएम से लेकर निगम कमिश्नर समेत पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे। क्षेत्रवासियों और एसडीएम अनिल भाना में बहस भी हुई। लोगों ने एसडीएम पर गाली-गलौज का भी आरोप लगाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर प्रहलाद पटेल भी पहुंचे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने महापौर और निगम अफसरों को चूड़ियां दिखाईं। महापौर प्रहलाद पटेल ने परिजनों और रहवासियों से वादा किया है कि अवैध तबेलों पर कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, रविवार को वार्ड 23 के तेजानगर ब्लॉक नंबर 2 निवासी मोहनबाई (75) पति ज्ञानसिंह गुगलिया, उनके बेटा राजेश (55) पर घर के बाहर बैठे थे। अचानक सांड लड़ते आए और हमला कर दिया। घटना में मां-बेटे दोनों घायल हो गए। मां को प्राथमिक उपचार कर रविवार को ही अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया था, जबकि राजेश जिला अस्पताल में भर्ती था। बुधवार सुबह 6 बजे राजेश की मौत हो गई। बताया जाता है कि राजेश को अंदरूनी चोट लगी थी। मृतक राजेश फेरी लगाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी दो छोटी बहन कविता पति रितेश गोदावत, संगीता पति राजेश मेहता है। बहन कविता ने बताया कि दो दिन तक भाई अस्पताल में भर्ती रहा। किसी अधिकारी ने आकर नहीं पूछा।

राजेश गुगलिया, मृतक

नगर निगम आवारा मवेशियों पर ध्यान नहीं देता: राजेश की मौत के बाद क्षेत्रवासियों में नगर निगम के खिलाफ गुस्सा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वार्ड में लगातार आवारा मवेशी घूमते रहते है, लेकिन नगर निगम ध्यान नहीं देता। क्षेत्र के पार्षद अक्षय संघवी ने बताया कि क्षेत्र के राजेश गुगालिया को दो दिन पूर्व सांड ने हमला कर दिया था। आज सुबह उनका निधन हो गया। शहर में कई अवैध तबेले संचालित हो रहे हैं। जिन पर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। राजेश की शादी नहीं हुई थी। घर में बुजुर्ग माता-पिता का वह इकलौता सहारा था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है।

4 महीने पहले एक बुजुर्ग महिला की हुई मौत

इससे पहले भी रतलाम में दो सांडों की लड़ाई में 4 माह पूर्व भी एक बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी है। शुक्रवार शाम टाटा नगर शांताबाई (60) घर के बाहर बाटी सेंक रही थी। तभी दो सांड लड़ते हुए महिला पर गिर गए।

देश की प्रथम एमएनसीयू का मध्यप्रदेश के चिकित्सकीय दल ने किया अध्ययन

• मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवा को सशक्त करने में काम आयेगा अनुभव

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नवजात शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में कमी लाने तथा प्रसव के उपरांत माताओं और नवजातों की देखभाल और सेवाओं को सशक्त करने के लिए नवीन मदर-न्यू बोर्न केयर यूनिट (एमएनसीयू) की स्थापना की जानी है। मध्यप्रदेश के राज्य स्तरीय दल ने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में संचालित देश की प्रथम एमएनसीयू इकाई का दौरा किया। अध्ययन भ्रमण से प्राप्त अनुभव मध्यप्रदेश में नवीन एमएनसीयू की स्थापना और संचालन में सहयोगी होगा। संचालक, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य डॉ. अरूणा कुमार, उपसंचालक, शिशु स्वास्थ्य डॉ. हिमानी यादव, हेल्थ स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ डॉ. प्रशांत कुमार, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. कैलाश नाथ काटजू (सिविल अस्पताल) के प्रशासनिक अधिकारी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य इकाई के प्रभारी चिकित्सक और नर्सिंग ऑफिसर्स अध्ययन दल में शामिल रहे।

निगम के स्टोर से गायब हुई गुमठी, थाने पहुंचे पार्षद

• कांग्रेसी बोले- भोपाल में गुमठी माफिया सक्रिय; जांच कर कार्रवाई हो

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नगर निगम के स्टोर से एक गुमठी गायब हो गई। इसे लेकर बुधवार को कांग्रेस पार्षद हबीबगंज थाने पहुंच गए। उन्होंने कहा कि भोपाल में गुमठी माफिया सक्रिय है। अब तो निगम के स्टोर से ही गुमठी गायब हो गई है। इस मामले में जांच कर दोषी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान, प्रवीण सक्सेना, जीत सिंह राजपूत, देवांशु कंसाना, अशोक मारण, लक्ष्मण राजपूत ने थाने पर कार्रवाई के लिए आवेदन सौंपा और कार्रवाई की मांग की।

14 महीने पहले जब्त की थी गुमठी

पार्षद चौहान ने बताया, कोलार तिराहे पर सचिन रजक की गुमठी थी, जो सिक्सलेन सड़क निर्माण के चलते पंचशील नगर में रखी गई थी। 13 जुलाई 2023 को नगर निगम के अमले ने यह गुमठी जब्त कर ली थी। सचिन का कहना था कि जब निगम और जिला प्रशासन विस्थापन की जगह देगा, तब गुमठी छुड़वाकर वापस स्थापित करुंगा, लेकिन 20 सितंबर की सुबह एक गुमठी को कुछ लोग ट्रॉले पर रखकर कहीं ले जा रहे थे। यह गुमठी मेरी ही थी। पता चला कि करण नामक व्यक्ति यह गुमठी लेकर जा रहा था। बाद में करण ने बताया, यह गुमठी अरविंद से खरीदी है। इसकी पर्ची भी करण ने सचिन को बताई थी। जब अरविंद का पता लगाया तो वह सीहोर का निकला।

स्टोर से ही गायब हो रही गुमठियां

कांग्रेस पार्षदों ने बताया कि नगर निगम के अधिकारियों की सांठगांठ से यह गुमठी स्टोर से निकली है। जब्त गुमठी आखिरी बाहर कैसे आ गई? इसकी जांच की जानी चाहिए।

ग्वालियर में 100वां तानसेन समारोह

पहली बार अन्य राज्यों में भी संगीत कार्यक्रम की तैयारी

भोपाल (नप्र)। ग्वालियर में 14 से 18 दिसंबर के बीच 'तानसेन समारोह-2024' होने जा रहा है। ऐसा पहली बार होगा जब यह मध्य प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों के मुख्य शहरों में भी इसके लिए संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से दिल्ली, लखनऊ, बेंगलुरु, अहमदाबाद, रायपुर, कोलकाता, फतेहपुर सीकरी, नागपुर और मुंबई में भी कई तरह की संगीत प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

ग्वालियर में शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश का सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव 'तानसेन समारोह' का यह 100वां वर्ष है। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत कला अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति पारिषद द्वारा यह समारोह आयोजित किया जाता है।

संस्कृति विभाग के अधिकारियों के अनुसार इन शहरों में संबंधित सरकारों से बातचीत की जा रही है, वहां की सरकारों के सहयोग से इस बार तानसेन समारोह में कई तरह के पूर्वरंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

इसमें गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली जैसे राज्य शामिल हैं। इन राज्यों के मुख्य शहरों का शेड्यूल जल्द ही संस्कृति विभाग जारी करेगा। इसके अलावा विदेशी कलाकार भी इस बार समरोह में कई तरह की प्रस्तुतियां देंगे। अभी तक की जानकारी के अनुसार 20 से अधिक देशों के कलाकार यहां प्रस्तुति दे सकते हैं।

तानसेन की जन्म स्थली बेहट

ग्वालियर से लगभग 45 किलोमीटर दूर बेहट ग्राम है, जो तानसेन की जन्मस्थली कही जाती है। संगीत-सम्राट तानसेन की स्मृति में इस स्थान पर भी एक छोटे से कार्यक्रम का आयोजन समारोह के अनुक्रम में किया जाता है।

समारोह में भाग लेने वाले कलाकारों में इच्छुक कलाकार स्थानीय संगीत विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ वहां जाकर संगीत सम्राट के जन्म-स्थान पर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं और ग्रामीण जनता को संगीत कला से परिचित कराते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में बेहट ग्राम के निवासियों तथा ग्राम एवं जनपद पंचायत का मूल्यवान सहयोग मिलता है।

होंगे यह नाट्य प्रदर्शन

संगीत सम्राट तानसेन के जीवन और अवदान पर केंद्रित महानाट्य का प्रदर्शन ।

नाट्य मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल की तानसेन पर केंद्रित एक विशिष्ट नाट्य प्रस्तुति।

मुख्य समारोह ग्वालियर में ये होगा
- राष्ट्रीय तानसेन सम्मान अलंकरण
- दैनिक सांगीतिक सभाएं
- नाट्य प्रदर्शन
- संवाद सत्र
- डाक टिकट का विमोचन
- पुस्तक/स्मारिकाओं का विमोचन
- प्रदर्शनी

राज्यमंत्री श्रीमती गौर की पहल: भोपाल में आईआईटी होगा शुरू

भोपाल (नप्र)। भोपाल में आईआईटी (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) शुरू होगा। आईआईटी शुरू करने के लिए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने पहल शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि आईआईटी शुरू करने के प्रस्ताव की टर्म्स ऑफ रिफरेंस देने के लिए महानिदेशक कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री डेवहलपमेंट कॉउंसिल डॉ. पी.आर. स्वरूप को पत्र लिखा गया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि आईआईटी शुरू करने की टर्म्स ऑफ रिफरेंस के साथ प्रस्ताव को संबंधित मंत्रालय को देने वह स्वयं अक्टूबर के पहले सप्ताह में दिल्ली जा रही है। उन्होंने बताया कि वह दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री से भेंट कर भोपाल में शीघ्र आईआईटी शुरू करने के लिए अनुरोध करेंगी। भोपाल में आईआईटी शुरू होना आज की आवश्यकता है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहां कि मध्यप्रदेश में एकमात्र आईआईटी इंदौर में है और प्रदेश से बड़ी संख्या में छात्र आईआईटी में एडमिशन लेते है, ऐसे में छात्रों को आईआईटी की पढ़ाई के लिए प्रदेश से बाहर जाना होता है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहां कि भोपाल में आईआईटी शुरू करने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं। आईआईटी संस्थान के भवनों के निर्माण के लिए पर्याप्त शासकीय जमीन भी उपलब्ध है। इसके साथ ही भोपाल प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों से रेल, रोड और एयर कनेक्टीविटी से जुड़ा हुआ है। भोपाल में आईआईटी संस्थान की मांग भी युवाओं द्वारा पिछले कई वर्षों से की जा रही है। भोपाल में आईआईटी की स्थापना लगभग 8 करोड़ की आबादी वाले मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात होगी।

एम्बेड कार्यक्रम के तहत डेंगू मलेरिया की रोकथाम के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

• स्वास्थ्य विभाग और जीसीपीएल की संयुक्त पहल

भोपाल (नप्र)। मच्छर जनित बीमारियों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल) के साथ साझेदारी में जन जागरूकता पहल शुरू की है। यह पहल एम्बेड (मच्छर जनित स्थानिक रोगों का उन्मूलन) कार्यक्रम के अंतर्गत की जा रही है। अभियान का मुख्य उद्देश्य मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और रोकथाम के प्रभावी उपायों को जनता तक पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप वर्ष 2015 से मध्यप्रदेश सरकार के साथ मलेरिया उन्मूलन में सहयोग कर रहा है। जागरूकता अभियान की शुरुआत भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे चार प्रमुख शहरों में की गई है। अभियान के तहत, मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम, लक्षण पहचान, और समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप के महत्व पर जोर दिया गया है।

एम्बेड कार्यक्रम 2015 में शुरू हुआ था। यह कार्यक्रम 39 जिलों के 27 लाख घरों में संचालित हो रहा है, जिसमें 2 करोड़ 84 लाख लोग शामिल हैं। एम्बेड कार्यक्रम के तहत पिछले 5 वर्षों में मध्यप्रदेश में मलेरिया के मामलों में 89 प्रतिशत की कमी आई है। साथ ही, डेंगू के मामलों में वित्त वर्ष 2023-24 में 65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

काम के बहाने महिला को राजस्थान ले जाकर बेचा, खरीदार समेत चार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। हबीबगंज में रहने वाली एक महिला को साथ काम करने वाले राजस्थान ले गए और वहां एक युवक से सौदा कर उसे बेच दिया। पुलिस ने महिला को दस्तयाब कर खरीददार समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ अपहरण और मानव दुर्व्यवहार तथा खरीददार के खिलाफ बलात्कार समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 25 वर्षीय महिला शादी पार्टी में खाना बनाने का काम करती है। उसके साथ छाया देशमुख, पूजा धानक, संतोष भालेराव और उसका पति मनोज भालेराव भी काम करता था। कुछ महीने पहले इन चारों ने बताया कि राजस्थान में काम करने चलना है। महिला उनके साथ काम के लिए चली गई। वहां ले जाकर चारों ने उसे राजस्थान के राजसमंद में देवीलाल गर्ग नामक युवक से जबरन शादी करवा दी। इसके बदले चारों ने देवीलाल से हजारों रुपए की राशि ले ली। महिला से शादी करने के बाद देवी लाल ने उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। इधर, कई दिन तक महिला घर नहीं लौटी तो उसकी मां ने थाने जाकर गुमशुदगी दर्ज कराई।

लेडी टीचर और टीचर में चलीं सैंडल-चप्पलें, चांटें मारे

मैडम बोलीं- वॉशरूम जाते समय वीडियो बनाते हैं; दोनों पर होगी कार्रवाई

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में सरकारी स्कूल में टीचर और लेडी टीचर के बीच जमकर चप्पलें चलीं। एक-दूसरे को चांटें मारे। टीचर ने लेडी टीचर को धक्का मारा। वह सीढ़ियों से गिरने से बच गईं। लेडी टीचर का आरोप है कि वॉशरूम जाते समय उनका वीडियो बनाते हैं। लेडी टीचर ने मंगलवार को जनसुनवाई में भी शिकायत की है। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार का कहना है कि वीडियो के आधार पर दोनों टीचर्स के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मामला सोमवार को अड़ूपुरा स्थित मिडिल स्कूल का है। इसका वीडियो मंगलवार को सामने आया। यहां एक ही परिसर में प्राइमरी और मिडिल स्कूल संचालित है। इसमें विद्या रतूड़ी प्राइमरी स्कूल में टीचर हैं, जबकि शिशुपाल सिंह जादौन मिडिल स्कूल में पढ़ाते हैं। दोनों के बीच किसी बात को लेकर पिछले कई दिन से विवाद चल रहा है।

अभिभावक ने बनाया वीडियो

दरअसल, पेरेंट्स को पता चला था कि स्कूल में टीचर्स लेट आते हैं। इसी सिलसिले में सोमवार को एक बच्चे के पेरेंट्स स्कूल आए थे।

आते ही स्कूल में टीचर्स की मौजूदगी देखने के लिए उन्होंने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसी दौरान प्राइमरी स्कूल की टीचर विद्या रतूड़ी क्लास के अंदर गईं।

वहां मौजूद शाला प्रभारी राजीव गौतम को लगा कि विद्या रतूड़ी ने पेरेंट्स को बुलाया है। इसी बात को लेकर अन्य शिक्षक शिशुपाल जादौन भी नाराज हो गए। उन्होंने गैलरी से लेडी टीचर को धक्का दे दिया। वह गिरते-गिरते बचीं। विरोध करने पर चप्पल से पीटने लगे। चांटे भी मारे। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव भी किया। इसके बाद विद्या रतूड़ी ने भी सैंडल उतार कर शिशुपाल को मारना शुरू कर दिया। गिरेबां पकड़कर चांटे भी मारे। वहां मौजूद अभिभावक ने इसका वीडियो बनाते हुए सोशल मीडिया पर लाइव चला दिया।

टीचर बोलीं- हमारे वीडियो बनाते हैं

लेडी टीचर विद्या रतूड़ी का कहना है, 'मुझे स्कूल में परेशान किया जा रहा है। हमें कुछ छात्रों ने बताया है कि जब हम वॉशरूम में जाते हैं, तो बाहर से पुरुष टीचर वीडियो बनाते हैं। स्कूल आने में देर हो जाए, तो नाराजगी जताते हैं। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों के सामने अपमान करते हैं। लगातार कुछ मैडम को टारगेट किया जा रहा है।'

जांच के लिए शिक्षा विभाग को सौंपा: सिरोल थाना प्रभारी आलोक सिंह भदौरिया का कहना है कि दोनों पक्षों ने शिकायत की है। पुरुष टीचर ने आरोप लगाया है कि महिला टीचर लेट आती हैं। मामला शिक्षा विभाग का था। दोनों पक्ष पहले संकुल केन्द्र पर भी शिकायत कर चुके हैं। आगे की जांच के लिए शिक्षा विभाग को सौंप दिया है।

संपादकीय

फर्जी एनकाउंटर या 'बदला-पूरा'?

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की एनकाउंटर पॉलिसी पर सियासत हो ही रही थी कि अब महाराष्ट्र में भी ठाणे जिले के बदलापुर में दो नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोपी की कथित पुलिस एनकाउंटर में मौत से राज्य की राजनीति गरमा गई है। इस बीच सरकार ने मामले की सीआईडी जांच के आदेश दे दिए हैं। राज्य की शिंदे सरकार इसे पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई सही कार्रवाई मान रही है तो विपक्ष इसे कानून का मजाक बनाना ठहरा रहा है। हैरानी की बात यह है कि यही विपक्ष बदलापुर के आरोपी के कल तक फांसी की सजा देने की मांग कर रहा था। अब उसके सुर बदले हुए हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में जल्द विधानसभा के चुनाव होने है। लेकिन राजनीति से हटकर इस पूरे एनकाउंटर को देखें तो पुलिस की कहानी में कई झोल नजर आते हैं। यही कारण है कि मुंबई हाई कोर्ट ने भी इस मामले में पुलिस की खासी खिंचाई की है। पहला सवाल तो यह है कि पुलिस वैन में एनकाउंटर कैसे हुआ? चार अफसर एक आरोपी को नहीं संभाल पाए? अगर पुलिस ने अपने बचाव में भी गोली चलाई तो उसे गोली पैरों में मारनी चाहिए थी न कि सिर में। इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जब 24 साल के आरोपी अक्षय शिंदे पुलिस की रक्षा में था तो उसके हाथों में हथकड़ी होगी। हथकड़ी के चलते वह साथ चल रहे पुलिस अफसर की पिस्तौल छीनने और फिर फायर करने में कैसे कामयाब हो गया? गौरतलब है कि पुलिस ने अक्षय को बदलापुर में नर्सरी की दो नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण का आरोप था। यह मामला उजागर होने के बाद बदलापुर स्टेशन पर लोगों ने भारी हंगामा किया था और आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की थी। पुलिस ने शिंदे को 17 अगस्त को गिरफ्तार किया था। 23 सितंबर को उसका एनकाउंटर कर दिया गया। शिंदे के एनकाउंटर की खबर आते ही महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। अक्षय को फांसी देने की मांग करने वाले तर्क देने लगे कि अगर वो जिंदा रहता तो बदलापुर दुष्कर्म कांड के असली चेहरे सामने आते। इस मामले में शिंदे सरकार पर आरोप है कि दुष्कर्म कांड का मुख्य आरोपी भले गिरफ्तार हो गया हो, लेकिन जिस नर्सरी की पीड़िताएं छात्रा थीं, उसके संचालकों कर सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि उसके भाजपा के साथ सम्बन्ध हैं। अक्षय सचमुच मुठभेड़ में मारा गया अथवा उसे मार देने के बाद पुलिस ने एनकाउंटर की थ्योरी गढ़ी, यह अभी उजागर होना है। संभव है कि आपसी झड़प में वह मारा गया हो और पुलिस ने उसे एनकाउंटर बता दिया हो। और जब आरोपी शिंदे मार ही दिया गया तो राज्य की शिंदे सरकार ने इसे अपराधियों के प्रति अपनी जीरो टालरेंस नीति बताकर श्रेय लेने की कोशिश की हो। क्योंकि राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। इस बात के संकेत इस वजह से भी मिले हैं कि अक्षय के एनकाउंटर की खबर आते ही बदलापुर में शिवसेना शिंदे गुट ने रेलवे स्टेशन पर मिठाइयां बांटीं तो राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता देवेन्द्र फडणवीस का हाथों में रिवाल्वर लिए एक पोस्टर भी झलका। जिसमें लिखा था 'बदला पूरा।' उधर मृतक के घर वालों का आरोप है कि अक्षय को मारा गया है और परिवारवालों को उसके अंतिम दर्शन भी नहीं करने दिए गए। बहरहाल सच क्या है, यह बाद में सामने आएगा, लेकिन फिलहाल तो अक्षय के एनकाउंटर में सभी अपना अपना राजनीतिक फायदा देख रहे हैं। इससे भी बढ़कर बात यह है कि इस मामले को आम जनता किस नजर से देखती है।

तिरुपति में प्रसादम् से खिलवाड़ आस्था पर आघात

नजरिया

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने।

प्रथम दृष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम् से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मंदिर प्रबंधकों, पुजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए।

एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम् से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश

एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकर्ताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है।

अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम् में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। लेकिन मन्दिर प्रबंधकों एवं प्रसाद निर्माताओं के पापों का क्या हो? बहरहाल, तिरुपति में लड्डुओं का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अशुद्ध मिलावटी आपूर्ति के लिए जिम्मेदार ठेकेदार को काली सूची में डालना और उस पर जुर्माना लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उसे कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। मिलावट विरोधी कानूनों के सबसे कड़े प्रावधान उस पर लागू होने चाहिए और सजा ऐसी मिलनी चाहिए कि मिसाल बन जाए। यह कार्य स्वयं मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को सुनिश्चित करना चाहिए। ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीति तो कतई नहीं होनी चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप से भी बचा जाना चाहिए। भावनाओं से खेलने के बजाय शासकों को शासन- प्रशासन के जरिये सुनिश्चित करना होगा कि शुद्धता-गुणवत्ता केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि तमाम जगहों और उत्पादों में बहाल रहे। दिव्य मंदिर तिरुमाला की पवित्रता और करोड़ों हिंदुओं की आस्था को नुकसान पहुंचाकर बहुत बड़ा पाप किया गया है।

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है, हमें सोचना चाहिए कि शुद्ध प्रसादम हासिल करना श्रद्धालुओं का मौलिक हक है और यह मन्दिर प्रबंधन के साथ सरकार का फर्ज है कि वह इसे उपलब्ध कराने में बरती जा रही कोताही को सख्ती से ले। मंदिरों में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन केवल संस्कृति से जुड़े नैतिक एवं चरित्र सम्पन्न लोगों को ही सौंपा जाना चाहिए।

बढ़ती हुई जनसंख्या और सीमित संसाधनों का जोखिम

मुद्दा

चेतनादित्य आलोक

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बेतहाशा बढ़ती हुई जनसंख्या आज दुनिया की सबसे बड़ी परेशानियों में से एक बन चुकी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण दुनिया के कई देशों में संसाधनों का बंटवारा ठीक तरह से नहीं हो पाता है। वहीं, कई देशों में वहां की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में उपलब्ध संसाधन अब कम पड़ने लगे हैं। जाहिर है कि यदि किसी भी देश की जनसंख्या लगातार तीव्र गति से बढ़ेगी तो उसी अनुपात में वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी बढ़ेगा। इसे भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 13 सितंबर 2024 को भारत की जनसंख्या लगभग 1,453,567,738 थी, जो विश्व की कुल जनसंख्या (लगभग 8,176,283,486) का करीब 18 प्रतिशत है। गौरतलब है कि विश्व के महज ढ़ाई प्रतिशत भू-भाग पर दुनिया की कुल जनसंख्या का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा जीवन यापन करने के लिए विवश है। जरा सोचिए कि ऐसे में क्या देश में मौजूद प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो इसी वर्ष अप्रैल के अंत में जारी संयुक्त राष्ट्र की 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' के अनुसार आज दुनिया भर के कुल 59 देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने के लिए मजबूर हैं। रपट के अनुसार युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण 2022 में 2.4 करोड़ से भी अधिक लोगों को खाद्य सामग्री के अभाव में भूखे रहना पड़ा था।

यदि संसाधनों का वितरण आबादी के अनुपात में हुआ होता अथवा कहा जाए कि जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों के अनुकूल ही हुआ होता तो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी और सूडान में बिगड़े खाद्य सुरक्षा के हालातों के कारण करोड़ों लोगों को खाद्य सामग्री का अभाव नहीं झेलना पड़ता। गौरतलब है कि यूक्रेन और सूडान से कई देशों को गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है, तब उन आयातक देशों के निवासियों का पेट भरता है। देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र की रपट इस बात की ओर भी साफ संकेत करती है कि जैसे-जैसे विश्व भर में जनसंख्या बढ़ती गई वैसे-वैसे ही भूखे लोगों की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती गई। बता दें कि भोजन के अभाव को लेकर रपट जारी करने की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र ने 2016 में की थी और 2016 की पहली रपट की तुलना में हालिया रपट में विश्व भर में भूखे लोगों की संख्या में चार गुणा की वृद्धि हो चुकी है। जाहिर है कि यदि जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया और विश्व भर में मनुष्य की आबादी इसी प्रकार लगातार और बेतहाशा बढ़ती रही तो दुनिया में भुखमरी की समस्या एक विकराल रूप ले सकती है, जिससे निपटना अत्यंत ही कठिन हो जाएगा, इसमें दो मत नहीं हो सकता, बल्कि सच कहा जाए तो उप-सहारा अफ्रीका के देशों समेत कम संसाधनों वाले गरीब देशों में शायद परिस्थितियां इतनी बिगड़ जाएं कि वहां भुखमरी की समस्या से निपटना असंभव ही हो जाए।

गौर करें तो बढ़ती आबादी के कारण दुनिया भर में संसाधनों का बेतहाशा दोहन लगातार जारी है। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों यथा कोयला, तेल और प्राकृतिक गैसों आदि पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। इनके अतिरिक्त बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में सभी नागरिकों के लिए भोजन, वस्त्र, आवास, पेयजल, दवाइयां इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना भी किसी सरकार के लिए सरल कार्य नहीं है। अंग्रेजी अर्थशास्त्री थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने सन् 1798 में गणितीय रूप से भोजन और मानव जनसंख्या के बीच के संबंध को प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या वृद्धि पर एक निबंध लिखा था। अपने उस लेख में माल्थस ने तर्क दिया था कि जब भी खाद्य आपूर्ति बढ़ती है, तो जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ती है और उपलब्ध संसाधनों की प्रचुरता को समाप्त कर देती है, जिसके परिणामस्वरूप मानव पीड़ा बनी की बनी रह जाती है, जब तक कि मानव जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया जाता। तात्पर्य यह कि यदि तीव्र गति से और लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या को नियंत्रित नहीं किया गया तो वह उपलब्ध खाद्य उत्पादन की क्षमता से बहुत आगे निकल जाएगा और संसाधनों के अभाव में भुखमरी, कुपोषण, बीमारी, गरीबी एवं लाचारी जैसी समस्याएं लगातार बनी रहेंगी। देखा जाए तो माल्थस की बातों से हमने कोई सबक नहीं ली, जिसका परिणाम यह हुआ कि आज दुनिया की कुल आबादी 8 अरब से भी अधिक हो चुकी है।

इसका एक दूसरा पक्ष यह भी है कि जनसंख्या बढ़ने और संसाधनों के घटने से देशों पर कर्ज का बोझ बढ़ने लगता है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रपट के अनुसार सितंबर 2023 तक भारत पर कुल कर्ज का बोझ 205 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। वहीं, विश्व आर्थिक मंच की 2021 में जारी एक रपट के अनुसार शिक्षा गुणवत्ता में भारत का स्थान 90वां है। जनसंख्या संबंधी संयुक्त राष्ट्र की 15 नवंबर 2022 को जारी एक रपट के अनुसार वर्ष 2050 तक एशिया महाद्वीप की आबादी लगभग पांच अरब हो जाएगी और सदी के अंत तक दुनिया की आबादी 12 अरब तक पहुंच जाएगी। रपट में यह भी बताया गया था कि 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, जबकि संयुक्त राष्ट्र की रपट के आकलन को झुठलाते हुए अप्रैल 2023 में ही चीन को पछाड़कर भारत दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। फरवरी 2024 में संयुक्त राष्ट्र ने ही अपनी एक और रपट जारी कर इसकी सूचना भी सार्वजनिक की थी। हालांकि 2011 के बाद भारतवर्ष में जनगणना नहीं हुई है। वैसे 1888 में भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड डफरिन ने भी जनसंख्या वृद्धि को एक समस्या के रूप में देखा था। उन्होंने तब यह आशंका प्रकट की थी कि भारत में कृषि उत्पादन कम है और अकाल इसलिए पैदा होता है, क्योंकि यहां जनसंख्या बहुत आकि है और लोग तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद 1871 से 1941 तक भारत की जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 0.60 प्रतिशत रही, जबकि इस दौरान दुनिया का औसत 0.69 प्रतिशत ही था। हालांकि 20वीं सदी के पहले दो दशकों में जनसंख्या वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम रही। 1931 की जनगणना में जब सामने आया कि भारत में 1921 से 1931 के बीच प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की दर से जनसंख्या बढ़ी है तो सभी चौंक गए, लेकिन 1951 के बाद यह दर लगातार बढ़ती हुई लगभग दो प्रतिशत के आसपास पहुंच गई। वैसे हम इस बात के लिए थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि 1970 के दशक से देश की जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की जाती रही है, लेकिन यह गिरावट दर अपेक्षाकृत इतनी धीमी रही है कि इसके लिए खुश नहीं हुआ जा सकता। आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में वर्ष 1971-81 के बीच वार्षिक जनसंख्या वृद्धि की दर जो 2.5 प्रतिशत थी, उससे घटकर वर्ष 2011-16 के मध्य तक आते-आते 1.3 प्रतिशत रह गई। इस संदर्भ में अनेक प्रकार के तर्क और विचार दिए जाते रहे हैं, जिनमें से यह तर्क कि पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर किए जा रहे सुधारों के कारण धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, सच प्रतीत होती है, क्योंकि वास्तव में अब तक जनसंख्या वृद्धि की दर सर्वाधिक उन्हीं इलाकों में पाई गई है, जिन क्षेत्रों में लोग शिक्षित और स्वस्थ नहीं होते।

गौरतलब है कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के कारण किसी भी देश की स्थिति खराब हो सकती है। इसके कारण उत्पन्न हुई बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी आदि ऐसी समस्याएं हैं, जो किसी भी समाज के नैतिक, सैद्धांतिक, सांस्कृतिक, पारंपरिक और नैष्ठिक ताने-बाने को ध्वस्त कर सकती हैं। इसके कारण व्यक्तियों का सामाजिक विकास, सांस्कृतिक उत्थान और मानसिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन बाधित हो सकता है। और यदि ऐसा हुआ तो समाज में चारों ओर हिंसा, बलात्कार, भ्रष्टाचार, लूटपाट, चोरी, छिनतई, हत्या, आत्महत्या, उग्रवाद और आतंकवाद जैसे अपराधों में बेतहाशा वृद्धि होने लगेगी। लोग कानून और लोकलाज की परवाह किए बिना ही केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगे रहेंगे। देखा जाए तो कमोबेश आज ऐसी ही परिस्थितियों से हमारा देश गुजर रहा है। जाहिर है कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किए बिना इन समस्याओं का समाधान कर पाना संभव नहीं होगा। वैसे जनसंख्या को लेकर भारतवर्ष के अनुभवों की बात करें तो आश्चर्य होता है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को छोड़कर देश के किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सरकार की ओर से कोई भी कठोर कदम नहीं उठाए गए, ताकि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि पर लगाम लगाई जा सके। शायद वोट बैंक की राजनीति के कारण देश की सरकारें जनता को नाराज करने से बचना चाहती होंगी, क्योंकि स्वतंत्रता से पूर्व भारतीय समाज में यह धारणा व्याप्त थी कि अधिक जनसंख्या विकास का पैमाना होता है।

दरअसल, उन दिनों जनसंख्या का कम होना नकारात्मक परिस्थितियों की देन माना जाता था, जो एक बुरी स्थिति थी, किंतु समय के साथ हमारी सोच में बदलाव आता गया और हमने इस पर विचार करना शुरू किया कि क्या भारतवर्ष इतनी बड़ी जनसंख्या को संभालने में सक्षम है। समय-समय पर आने वाले भयानक सूखे और अकाल की त्रासदी ने भी इस चिंता की तरफ देशवासियों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बावजूद 1970 के दशक तक हमारी सरकारों ने देश में खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाकर जनसंख्या वृद्धि का समाधान ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन आपातकाल के समय इंदिरा गांधी की सरकार ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को बहुत सख्ती से अपनाया। जबरन नसबंदी कराए जाने के कारण लोग बेहद नाराज थे। 1977 में आपातकाल के बाद जब इंदिरा गांधी चुनाव हार गईं तब विश्लेषकों ने माना कि परिवार नियोजन की सख्ती के कारण ही वह चुनाव हारी थीं। उसके बाद 1980 और 1990 के दशक में पब्लिक डोमेन में तो बढ़ती हुई जनसंख्या पर खूब बातें हुईं, किंतु राजनेताओं ने इस पर चुप्पी साधना ही बेहतर समझा। यही नहीं, भूमंडलीकरण के बाद भी जनसंख्या का मुद्दा भारत में दबा ही रहा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से 'आबादी के तेजी से बढ़ने' की बात कहते हुए केंद्र और राज्यों से इसे रोकने के लिए योजनाएं बनाने का आह्वान भी किया था। वहीं, 2024 के अंतरिम बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेजी से बढ़ती आबादी और डेमोग्राफी में आए बदलाव की चुनौतियों से निपटने के लिए एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति बनाने का ऐलान किया, जो 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इन समस्याओं से निपटने के लिए सुझाव देगी। (इतिश्री)

पर्यटन हमारे भीतर की महक

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

जीवन निरंतर चलते रहने का नाम है और इसी के माध्यम से हम अपने अनुभवों को भी पाते हैं। कुछ अनुभव हमें जीवन को एक नई दिशा देने में सहायक होते हैं तो कुछ अनुभव हमें जीवन में क्या नहीं करना चाहिए वे सिखाते हैं। लेकिन हमेशा अपने ही घर का,दफ्तर आदि इसी में उलझे रहने का नाम जीवन नहीं है। इन्हीं में से कुछ सीखने को हम शिक्षा का नाम दे सकते। जब तक हम पर्यटन को अपने जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान नहीं देते,तब तक ज़िंदगी को देखने का हमारा नजरिया नहीं बदलता।

पर्यटन, जो हमें अहसास दिलाता है की दुनिया बहुत खूबसूरत है। ईश्वर ने मौसम की तरह स्थानों को भी अपना अलग अलग स्वभाव दिया है। जिसके माध्यम से वे मानव जीवन को आकर्षित भी करते हैं और अपना महत्त्व भी समझाते है।पर्यटन सिर्फ घूमने का नाम देख नहीं है। पर्यटन नाम है रोजगार के ने रास्ते बनाने। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में विविधता लाने में पर्यटन सहायक सिद्ध होता है। पर्यटन एक ऐसी यात्रा है। जो मानसिक और आर्थिक दोनों रूपों से हमें कुछ नया सिखाती है। विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार यात्रा करके दुनिया भर में सेवानिवृत्त लोग, जब पर्यटन में अपना समय बिताते हैं तो वे अपने बीते अनुभवों को याद करके अपने आगामी जीवन के लिए एक बेहद सुंदर और खूबसूरत क्षणों को जीते है । आज की नई जीवनशैली में कुछ लोगों ने पर्यटन को ही अपना व्यवसाय भी बना लिया। लगातार घूमते हुए नई नई जगहों के बारे में जानना और दूसरे अन्य लोगों तक उनकी जानकारी को पहुंचाना। ये एक नए कदम की शुरुआत जैसा है।

पर्यटन के मायने बदल गए है। हाल ही में निर्माणात्मक प्रयत्न को सांस्कृतिक पर्यटन के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। इसी प्रकार काला पर्यटन जिसके माध्यम से युद्द भूमि , या अपराधों केप कृत्यों वाले स्थानों की यात्रा करना इस प्रयत्न को 2000 में (lennon and foley) द्वारा पहचाना गया। इसी तरह शैक्षिक पर्यटन के माध्यम से किसी भी अन्य देश की संस्कृति के बारे में जानना और उनसे कुछ नया सीखना । पर्यटन के साथ जब हम अपने देश या संस्कृति को जोड़ लेते है, तब वहां आर्थिक और सामाजिक स्तर को भी बढ़ते हुए देखते है। एक विशेष स्थान को बनाए जाने से किसी भी सरकार का उद्देश्य वहां के जन-जीवन के लिए एक बेहतर कल का निर्माण करना भी होता है। विशेष स्थान के मशहूर हो जाने पर व्यवसाय का भी उज्ज्वल भविष्य हो जाता है। पर्यटन से जुड़ने से स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़ती है एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और पुरुत्थान में मदद मिलती है।

जीवन के प्रति हमारे फैसलों को लेने में हमारा आत्मविश्वास बहुत सहायक होता है। विभिन्न जगहों का भ्रमण करने से हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि ह्पोती है। हम चीज़ों को एक अलग नज़रिए से देखना शुरू कर देते है। सिर्फ घूमने - फिरने की नज़र से ही पर्यटन को क्यों देखा जाए, क्यों नहीं अपने भीतर की ऊर्जा को और मानवता को समझने के किए एक ने बढ़ते कदम की तरह पर्यटन को महसूस किया जाए। अपनी मानवीय भावनाओं के साथ जब हम किसी जगह को घूमेंगे तभी हम अतिथि देवो भव के सही अर्थ को समझ पाएंगें। हम यह महसूस करेंगे की जाने-अनजाने जो तकलीफे हमें आई है उन्हें हम किसी अन्य को ना दें जो हमारी ही तरह घूमते हुए हमारे शहर में एक नए सपने को जी रहा है।

दूसरों की यादों के गुलदस्ते में अपनेपन के फूलों की सदाबहार खुशबू को भर कर जीवन में पर्यटन को एक नया नाम दें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

'सरकार' ने समझाया, समझ आया...क्या समझे

व्यंग्य

प्रदीप मिश्र

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दिलजले मानते हैं कि एक देश-एक चुनाव का आइडिया जनहित में नहीं है। इसे सरकार ने अपने लाभ के लिए लागू करने की योजना बनाई है। इसके लिए शांत होकर समझना होगा। बताया जा रहा है कि नेताओं को झूठ ज्यादा बोलना पड़ता है। जब वे इससे ऊबते हैं। नया प्लान खोजते हैं। नया कानून बनाकर नेता अपने पाप कम करना चाहते हैं। अब तक लगातार बोले गए झूठ के लिए पश्चाताप चाहते हैं। चुनाव के नाम पर आए दिन होने वाली भागमभाग से मुक्ति चाहते हैं। पानी और आग को एक साथ रखने की युक्ति चाहते हैं। उनकी इस मंशा को ढंग से जानना चाहिए। इसके लिए उनकी सोच को सलाम जरूरी है, प्रशंसा करना चाहिए।

वैसे आम आदमी को बहुत जल्दी झूठे वादों और निजी जज़्बातों से निजात नहीं मिलेगी। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के बाद महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली और बिहार में हार-जीत होने तक बात नहीं बनेगी। तब तक समस्याओं को ही आधार बनाया जाएगा। समस्याओं को ही निराधार ठहराया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी मोड़ी जाएगी। किसी न किसी के सिर पर फोड़ी जाएगी। हर जगह अलग-अलग सरकार है। एक ही जैसी दिक्कतों की भरमार है। मतदाताओं से ज्यादा जनता को राहत की दरकारहै। बेखौफ विपक्ष की ललकार है। इसलिए फिलहाल आने वाले दिनों में मुकाबले जारी रहेंगे। किसान, नौजवान, महिला, जातिगणना, आरक्षण और संविधान के मुद्दे और इनके प्रश्न भारी रहेंगे। जिनकी सुनेंगे, जिस पर बोलेंगे, वे आभारी रहेंगे। ठगने के एजेंडे तय किए जाने लगे हैं। हर बयान राजनीति के रंग में रंगने लगे हैं।

सरकार बार-बार समझा रही है कि भ्रष्टाचार सुनी हुई समस्या है। मंहगाई वास्तविक नहीं, विपक्ष की चुनी हुई समस्या है। आईफोन 16 के लिए रात भर लगी लाइन याद करिए।आप भी इसे खरीद पाएंगे, ऊपर वाले से फरियाद करिए। कौशल विकास तेजी से बढ़ रहा है, मृतक आश्रित बेरोजगरों का केवल आंकड़ा चढ़ रहा है। फाइलों में बेरोजगारी खत्म, बुनी हुई समस्या है। पक्षपात और भेदभाव चंद लोगों की धुनी हुई दिक्कत है। लापरवाही और मनमानी भुनी हुई समस्या है और इन सबके पीछे वक्त की किल्लत है। सबसे अधिक धुनी हुई समस्या गरीबी है। इससे बहुत से लोगों की करीबी है। हर कोई इससे मुक्ति की कामना करता है। हालात का सामना करने से डरता है। आखिर में भ्रष्टाचार कर-कर मरता है। यह भी जान लीजिए। नया ज्ञान लीजिए। गुनी हुई समस्या वह होती है, जो बढ़ती ही जाए। उसकी खुद की उम्र चढ़ रही है। व्यवस्था से लड़ रही है। डबल इंजन से आवाज आ रही है। एक बार तो लगता है, सब सही है। समस्याओं का मूल कारण सोच है। सच्चाई से इसका सरोकार प्रतीत नहीं होता है। प्रमाण जुटाने के लिए परिश्रम किया जा रहा है। सुनने वाले बात पर यकीन करें, भरोसे का दम भरा जा रहा है। यही कारण है कि समस्याओं पर रोजाना लिखने वालों की धार कुंद हो गई है। ब्यौरा और आंकड़े पढ़ते-पढ़ते सरकार की दृष्टि मंद हो गई है।

सत्ता से जुड़े नेता बता रहे हैं। कलयुग को सतयुग और द्वापर को त्रेता बता रहे हैं। अब तक नहीं समझे। जरूर कोई कंफ्यूजन है। समस्याएं और समाधान जीवन का रियल फ्यूजन है। नेता ही इससे मुक्ति दिला सकते हैं। युक्ति बता कर खुशहाल बना सकते हैं। अंत में समझ लीजिए। आंख बंद कर विश्वास कीजिए। सारी समस्याएं चरित्रहीन हैं। सज्जनों के लिए रंगीन हैं। दुर्जनों के लिए हसीन हैं। भुक्तभोगियों के लिए महीन हैं। विरोधियों के लिए खाली जमीन हैं। जो बेफिक्र और बददिमाग, उनके लिए बेबुनियाद और आधारहीन हैं। ज्यादा नहीं कहना है। आगे और जिद नहीं करना है। इतना याद रखें। श्राद्ध पक्ष में पितरों का स्मरण करते हैं। दिखावे के लिए ही सही, 16 दिन डरते हैं। लेकिन अगर राजनीति करना है, चुनाव लड़ना होता है तो छोड़ना कुछ नहीं, सबकुछ करना होता है। परिणाम रणनीति और कूटनीति से ही निकल आएगा। अन्यथा अकेला आया था प्यारे, अकेला ही चला जाएगा। यह बताना होगा कि अकेला चना भाड़ फोड़ सकता है। समाजसेवा के लिए हरे पेड़ काट सकता है और डायनामाइट और जेसीबी से पहाड़ तोड़ सकता है। पर्यवरण प्रेम में प्रगाढ़ता प्रदर्शन के लिए प्रदूषण के लिए मलिन बस्ती को छोड़ या तोड़ सकता है। जलेबी की तरह जनता का मुंह मोड़ सकता है।

प्रसिद्ध व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई वर्षों पहले कह गए हैं।...जो पानी छानकर पीते हैं, वो आदमी का खून बिना छाने पी जाते हैं। कौन है वो? यह तो खुद ही पता करना होगा। हो सकता है, नेता ही हों। ऐसे माहौल में कहावत-लोकोक्ति 'भाग्य और झूठ के साथ जितनी ज्यादा उम्मीद करोगे, वो उतना ही ज्यादा निराश करेगा...' पर बिल्कुल न सोचें और न ही इसके बारे में अधिक समझने की आवश्यकता है। इसी क्रम में कहा गया है कि कर्म और सच पर जितना जोर दोगे, वो सदैव उम्मीद से ज्यादा ही देगा।

बहरहाल, अंत में यह जानना-समझना चाहिए कि जर्मनी के दार्शनिक इमैनुअल कांट ने कहा था-पहचान खुद की होनी चाहिए, क्योंकि परछाई साथ तो चलती है पर कभी साथ नहीं देती। मतलब, समस्याएं स्थायी नहीं हैं। समस्याओं को व्यवस्था का हिस्सा मानना चाहिए। प्रसाद में भी मिलावटी देशी घी की उपलब्धता इसका उदाहरण है। यह धार्मिक भावनाओं का अपहरण है। नैतिक मूल्यों का क्षरण है। चंद लोगों का पोषण है। आत्मा से अधिक परमात्मा जितनी आस्था की आड़ में राजनीति के साथ दिल और दिमाग का शोषण है। परसाई जी यह भी बता गए हैं-सोचना एक रोग है, जो इस रोग से मुक्त हैं और स्वस्थ हैं, वे धन्य हैं। सलाह मानिए, अक्षम्य अपराध मत करिए। दूसरों से नहीं, अपने आप से डरिए। तिल-तिल कर मत मरिए। न कोई सूचना समझिए, न चिंता करिए।

पितृपक्ष

आकाश वर्मा

सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व का अनावरण

पितृपक्ष की अवधारणा विभिन्न मिथकों और किवदंतियों से गहराई से जुड़ी हुई है राजा हरिश्चंद्र की कथा: राजा हरिश्चंद्र, जो अपनी अटल सत्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे, ने कठोर परीक्षणों का सामना किया जिसके कारण उनके बेटे की मृत्यु हो गई। अपने दु:ख में, उन्होंने पितृपक्ष के दौरान अपने बेटे की आत्मा का सम्मान करने के लिए अनुष्ठान किए। कहानी इस बात पर जोर देती है कि सच्चे मन से याद करने और प्रसाद चढ़ाने के माध्यम से, हरिश्चंद्र अपने बेटे की आत्मा के लिए शांति प्राप्त करने में सक्षम थे, जो अपने पूर्वजों का सम्मान करने के महत्व को दर्शाता है। कंडू और प्रम्लोचा की कथा: इस कथा में, ऋषि कंडू को दिव्य अप्सरा प्रम्लोचा से मोंह हो गया। उनके मिलन के दौरान, कंडू ने अपने कर्तव्यों की उपेक्षा की, जिससे भगवान यम को हस्तक्षेप करना पड़ा। यम ने उन्हें अपने पूर्वजों को याद रखने और उनका सम्मान करने के महत्व की याद दिलाई। यह कहानी इस विश्वास को पुष्ट करती है कि पैतृक कर्तव्यों की उपेक्षा करने से अशांति हो सकती है, जो पितृपक्ष अनुष्ठानों के महत्व पर जोर देती है।

पितृपक्ष, हिंदू कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण अवधि है, जिसका सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व बहुत गहरा है। यह पखवाड़ा अपने पूर्वजों को सम्मानित करने और उन्हें याद करने के लिए समर्पित है, जिन्हें अक्सर संस्कृत में पितर कहा जाता है। पितृपक्ष, 16 दिवसीय हिंदू अनुष्ठान है, जो अपने पूर्वजों के प्रति एक मार्मिक श्रद्धांजलि है, जिसमें उनका आशीर्वाद और शांति मांगी जाती है। अश्विन के कृष्ण पक्ष के दौरान मनाया जाने वाला यह पवित्र काल दिवंगत परिवार के सदस्यों की स्मृति का सम्मान करता है, उनके योगदान और विरासत को स्वीकार करता है। तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान जैसे अनुष्ठानों के माध्यम से, भक्त अपने पूर्वजों को ऋण और कर्म से मुक्ति दिलाते हुए उन्हें जीविका और श्रद्धा प्रदान करते हैं। यह प्राचीन परंपरा पारिवारिक बंधनों को मजबूत करती है, आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देती है और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती है, हमें अपनी जड़ों और उन लोगों का सम्मान करने के महत्व की याद दिलाती है जिन्होंने हमारे जीवन को आकार दिया है। कृतज्ञता और स्मरण के प्रतीक के रूप में, पितृपक्ष पीढ़ियों के बीच एक शक्तिशाली संबंध के रूप में कार्य करता है, जो अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ता है। पितृपक्ष का पालन केवल एक अनुष्ठानिक अभ्यास नहीं है यह प्रतिबिंब, स्मरण और अपने वंश के साथ संबंध का समय है। इस निबंध का उद्देश्य पितृपक्ष के सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व, इसके अनुष्ठानों, मान्यताओं और कई हिंदुओं के जीवन में इसकी भावनात्मक प्रतिध्वनि का पता लगाना है।

पितृपक्ष की अवधारणा विभिन्न मिथकों और किंवदंतियों से गहराई से जुड़ी हुई है **राजा हरिश्चंद्र की कथा:** राजा हरिश्चंद्र, जो अपनी अटल सत्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे, ने कठोर परीक्षणों का सामना किया जिसके कारण उनके बेटे की मृत्यु हो गई। अपने दु:ख में, उन्होंने पितृपक्ष के दौरान अपने बेटे की आत्मा का सम्मान करने के लिए अनुष्ठान किए। कहानी इस बात पर जोर देती है कि सच्चे मन से याद करने और प्रसाद चढ़ाने के माध्यम से, हरिश्चंद्र अपने बेटे की आत्मा के लिए शांति प्राप्त करने में सक्षम थे, जो अपने पूर्वजों का सम्मान करने के महत्व को दर्शाता है।

कंडू और प्रम्लोचा की कथा: इस कथा में, ऋषि कंडू को दिव्य अप्सरा प्रम्लोचा से मोंह हो गया। उनके मिलन के दौरान, कंडू ने अपने कर्तव्यों की उपेक्षा की, जिससे भगवान यम को हस्तक्षेप करना पड़ा। यम ने उन्हें अपने पूर्वजों को याद रखने और उनका सम्मान करने के महत्व की याद दिलाई। यह कहानी इस विश्वास को पुष्ट करती है कि पैतृक कर्तव्यों की उपेक्षा करने से अशांति हो सकती है, जो पितृपक्ष अनुष्ठानों के महत्व पर जोर देती है।

कर्ण की कथा: महाभारत के कर्ण को उनकी उदारता और वफादारी के लिए जाना जाता है। अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने अपने पूर्वजों के लिए अनुष्ठान किए और उनसे फिर से जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। विपरीत परिस्थितियों में भी अपने वंश का सम्मान करने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता पारिवारिक बंधन और जिम्मेदारियों को बनाए रखने में पूर्वजों की पूजा की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है।

ऋषि व्यास की कथा: महाभारत के संकलनकर्ता ऋषि व्यास ने भी पूर्वजों के सम्मान के महत्व को पहचाना। पितृपक्ष के दौरान, उन्होंने अपने पूर्वजों के लिए अनुष्ठान किए, जिसमें किसी की वंशावली का सम्मान करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। यह कहानी प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिवार के इतिहास और विरासत के प्रति जिम्मेदारी की याद दिलाती है।

पितृपक्ष की जड़ें प्राचीन हिंदू शास्त्रों, विशेष रूप से गरुड़ पुराण में पाई जा सकती हैं, जो मृत्यु के बाद आत्मा की यात्रा पर चर्चा करता है। इन ग्रंथों के अनुसार, पूर्वज सांसारिक क्षेत्र से जुड़े रहते हैं, जो उनके वंशजों के जीवन को प्रभावित करते हैं। यह विश्वास उन्हें सम्मान देने के महत्व को रेखांकित करता है, विशेष रूप से अश्विन (सितंबर-अक्टूबर) के चंद्र महीने के दौरान, जब पितृपक्ष मनाया जाता है।

पितृपक्ष के दौरान 16 दिनों मे अनेक अनुष्ठान किये जाते है जिसमे प्रमुख रुप से तर्पण,श्राद्ध और पिंडदान है। तर्पण में पूर्वजों को तिल (तिल) और जौ (जव) मिला हुआ जल चढ़ाना शामिल है। माना जाता है कि तर्पण का कार्य मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करता है, जिससे उनके परलोक में शांति सुनिश्चित होती है। परिवार एकता और सामूहिक स्मरण का प्रतीक इस अनुष्ठान को करने के लिए अक्सर पवित्र नदियों या झीलों पर एकत्रित होते हैं। इसके साथ ही पितृपक्ष के दौरान भोजन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवार विशेष व्यंजन तैयार करते हैं जो उनके पूर्वजों ने जीवन में खाए थे, जिनमें अक्सर चावल, दाल और मिठाई शामिल होती है। इन प्रसादों को एक पत्ते या प्लेट पर रखा जाता है और स्नेह तथा सम्मान के साथ पेश किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि पूर्वज आध्यात्मिक क्षेत्र में इन प्रसादों का हिस्सा बनते हैं, जो जीवित और मृत लोगों के बीच के बंधन को पुष्ट करते हैं। पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठान मृतक के साथ संबंधों के आधार पर भिन्न हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, पिता के लिए प्रसाद माता या दादा-दादी के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। प्रत्येक संबंध का अपना महत्व होता है और विशिष्ट अनुष्ठानों की मांग करता है, जो हिंदू संस्कृति में पारिवारिक बंधनों की जटिलता और गहराई को दर्शाता है। पितृपक्ष मृत्यु और जीवन और मृत्यु के अपरिहार्य चक्र की एक मार्मिक याद दिलाता है। यह व्यक्तियों को अपने जीवन, अपनी पसंद और अपने पूर्वजों के साथ अपने संबंधों पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है। यह चिंतन व्यक्ति की पहचान और विरासत की गहरी समझ की ओर ले जा सकता है, जिससे अपनेपन और निरंतरता की भावना को बढ़ावा मिलता है।

कई लोगों के लिए, पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठान उपचार की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह परिवारों को अपना दुख व्यक्त करने और अपने नुकसान को स्वीकार करने का अवसर देता है। इस दौरान प्रियजन मृतक के बारे में यादें और कहानियाँ साझा कर शोक मना रहे लोगों के लिए सामुदायिक शब्दों में अपनी भावनाओं को व्यक्त कर एक सहायक वातावरण बना सकते है।

पितृपक्ष अनुष्ठानों का सामुदायिक पहलू पारिवारिक समारोहों को प्रोत्साहित करता है, जिससे रिश्तेदारों के बीच संबंध मजबूत होते हैं। परिवार के साथ में बिताया गया यह समय न केवल मृतक का सम्मान करता है बल्कि पारिवारिक संबंधों में एकता और साझा उद्देश्य की भावना पैदा करता है। यह परिवार के महत्व, पूर्वजों के प्रति सम्मान और परंपराओं की निरंतरता की याद दिलाता है एवं भविष्य मे अनवरत इस परंपरा को जारी रखने के प्रति भी दृढ़ता प्रदान करता है।

हाल के वर्षों में, पितृपक्ष के दौरान किए जाने वाले अनुष्ठानों के पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में भी जागरूकता बढ़ रही है। कई परिवारों ने अपनी प्रथाओं को अधिक पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए अपनाना शुरू कर दिया है, प्रसाद के लिए बायोडिग्रेडेबल सामग्रियों का चयन करना और अपशिष्ट को कम करना। यह बदलाव पारंपरिक प्रथाओं को समकालीन पर्यावरणीय चिंताओं के साथ जोड़ते हुए स्थिरता और प्रकृति के प्रति सम्मान की ओर एक व्यापक सामाजिक प्रवृत्ति को दर्शाता है। पितृपक्ष में सामुदायिक भागीदारी भी देखी जाती है। कई स्थानीय मंदिर और संगठन सामूहिक अनुष्ठान आयोजित करते हैं, जिसमें परिवारों को एक साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। ये सभाएँ न केवल सामुदायिक भावना को बढ़ावा देती हैं, बल्कि अनुष्ठानों और परंपराओं के बारे में ज्ञान साझा करने का एक अवसर भी प्रदान करती हैं। यह सामुदायिक दृष्टिकोण समग्र अनुभव को बढ़ा सकता है, इसे अधिक समावेशी और समृद्ध बना सकता है।

भारत के साथ साथ अब वैष्विक दृष्टिकोण से भी पितृपक्ष का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। जैसे-जैसे हिंदू समुदाय दुनिया भर में फैलते गए हैं, पितृपक्ष का पालन भी विकसित हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे महत्वपूर्ण भारतीय प्रवासी आबादी वाले देशों में, अनुष्ठानों को स्थानीय संदर्भों में फिट करने के लिए अनुकूलित किया जाता है, जबकि उनका मूल सार बनाए रखा जाता है। यह अनुकूलनशीलता वैश्वीकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के सामने सांस्कृतिक प्रथाओं की लचीलापन को दर्शाती है। हिन्दू समाज के साथ साथ विविध समाजों में, पितृपक्ष अंतरधार्मिक संवाद का अवसर प्रस्तुत करता है। कई गैर-हिंदू पूर्वजों का सम्मान करने, वंश, विरासत और हानि और स्मरण के साझा मानवीय अनुभव के सम्मान के बारे में बातचीत को बढ़ावा देने के महत्व के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं। इस तरह के संवाद विभिन्न सांस्कृतिक समूहों के बीच आपसी समझ और सम्मान को बढ़ावा दे सकते हैं।

भारत सहित पूरे विश्व में आज पितृपक्ष एक बहुआयामी अनुष्ठान है जो वंश, स्मृति और पारिवारिक संबंधों की निरंतरता के बारे में हिंदू मान्यताओं के सार को समाहित करता है। यह हमारे से पहले आए लोगों का सम्मान करने, हमारे जीवन पर चिंतन करने और हमारे प्रियजनों के साथ हमारे संबंधों को मजबूत करने के महत्व का एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है।

पितृपक्ष का सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व केवल अनुष्ठानों से परे है, जो पहचान, विरासत और उन शाश्वत बंधनों की गहन खोज प्रदान करता है जो हमें हमारे पूर्वजों से जोड़ते हैं। जैसे-जैसे समाज विकसित होता है, पितृपक्ष का सार जीवन, मृत्यु और परिवार की स्थायी विरासत का एक मार्मिक उत्सव बना रहता है। इन परंपराओं को समझने और उनमें भाग लेने के माध्यम से, व्यक्ति अपनी जड़ों के लिए सांत्वना, शक्ति और गहरी सराहना पा सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके पूर्वजों की यादें भविष्य की पीढ़ियों के दिलों में पनपती रहें।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती (26 सितंबर) पर विशेष

गरीबों के संरक्षक थे ईश्वर चंद्र विद्यासागर

योगेश कुमार गोयल

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ तथा नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को समाज सुधारक, दार्शनिक, शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक इत्यादि अनेक रूपों के स्मरण किया जाता रहा है, जिनकी आज हम जयंती मना रहे हैं। ईश्वर चंद्र विद्यासागर का जन्म 26 सितम्बर 1820 को पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में हुआ था और उनका बचपन का नाम ईश्वर चंद्र बंदोपाध्याय था। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि उन्हीं के अनथक प्रयासों तथा दृढ़संकल्प के चलते ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज वर्ष 1856 में विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुए थे। उसी के बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की शुरूआत कर ससम्मान जीने का अधिकार मिला था। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी।

'अपना काम स्वयं करो' सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वर चंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे। अपने क्रियाकलापों से उन्होंने लोगों को हमेशा स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। अपने समाज सुधार अभियान के तहत उन्होंने स्थानीय बांग्ला भाषा तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बैठुने स्कूल की स्थापना की तथा कुल 35 स्कूल खुलवाए, जिनके संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं अपने कंधों पर ली। स्कूलों के खर्च के लिए वह विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे।

समाज सुधार कार्यों की बदौलत उन्हें जीवन पर्यन्त गरीबों और दलितों का संरक्षक माना जाता रहा। अपने इसी प्रकार के समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें एक समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा था। सदैव समाज की भलाई के लिए ही सोचने और समाज के लिए कुछ न कुछ नया करते रहने के कारण ही नैतिक मूल्यों के संरक्षक विद्यासागर को महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता है।

ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ाने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने सन् 1872 में कोलकाता में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

ईश्वर चंद्र विद्यासागर वास्तव में एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने न केवल नारी शिक्षा के लिए व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया बल्कि अंग्रेजों को विधवा पुनर्विवाह कानून पारित कराने को भी विवश किया। उन्हीं की बदौलत विधवाओं को समाज में सम्मान से जीने का अधिकार मिला। दरअसल उस समय हिन्दू समाज में विधवाओं की स्थिति बहुत चिंताजनक थी। इसीलिए उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके इन अटूट प्रयासों की बदौलत ही 'विधवा पुनर्विवाह कानून' पारित हो सका। कानून पारित होने के तीन माह बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। 1856-60 के बीच उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह सम्पन्न कराया। इतना ही नहीं, अपने इकलौते बेटे नारायण की शादी एक विधवा से कराकर समस्त भारतीय समाज के समक्ष ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने अविस्मरणीय मिसाल भी पेश की थी। नारी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्होंने बहुपत्नी प्रथा तथा बाल विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। 29 जुलाई 1891 को यह महान् हस्ती सदा-सदा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई।

कस्टमर केयर सेवाओं के चक्रव्यूह में फंसा अभिमन्यु

वक्रोक्ति

विजी श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कस्टमर केयर सेंटर में आपका स्वागत है। आपने हमें कॉल किया है, यह हमारी खुशकिस्मती है। क्योंकि एक कॉल अटका कर हम सैकड़ों शिकायतों से बच जाते हैं। आपकी किस्मती खुश है या बद, यह आप आगे जान सकेंगे। तो खता कर ही ली है और भुगतने के लिए तैयार हों तो कृपया एक दबाएं। मजा नहीं आया तो दो दबाएं। यहां रूककर गहरी सांसें लें। हमें खेद है कि इन दोनों नंबरों में आपके काम की कोई बात नहीं निकलीं। निराश न हों। अभी तीन नंबर और हैं। आपकी सुविधा के लिए हर नंबर पर चार वैकल्पिक नंबर और दिये गए हैं। 2024;आप निसंकोच दबाते जाएं। आपकी कॉल हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

किन्तु1 आप बड़े जल्दबाज हैं श्रीमान। आपसे मना किया था कि बिना बात पूरी हुए आगे मत बढ़ना। अब फिर से मैन मेन्यू में जाकर एक, दो, तीन, चार कीजिए... बधाई हो! आप फिर से कदमताल करते 4 तक आ गए। अब जो हम कहें, उतना ही सुनें। जल्दी मचाई तो फिर से मैन मेन्यू में भेजने के लिए अपन जिम्मैवार नहीं होंगे। लेकिन प्रिय ग्राहक, बुरा न मानें।ऐसा पहली बार नहीं हो रहा। पीठ पर बैठे बेताल के फिजूल प्रश्नों से उत्तेजित होकर जब-जब विक्रम ने धीरज खोया, मैन मेन्यू में पहुंच गया।

एक बात और कहूं साहब, जब तक हमारी आईवीआर सूचनाएं जारी हैं तब तक सोच के देखिए। जितनी देर तक मोबाइल के बटन दबा रहे हैं, उसका आधा भी मॉ-बाप के पैर दबाए होते तो पुरखों की प्रापर्टी का खासा हिस्सा आपको मिल सकता थाज चलिए आगे दबाइए। हमारे कॉल सेंटर का आदर्श वाक्य है- 'जिन खोजा तिन्ह पाहिआं, गहरे पानी पैठ'। आइए गहरे पानी की ओर बढ़ें। आपकी हाइट कम होने का हमें खेद है। हमारी ट्रेनिंग में खेद व्यक्त करने का भरपूर अभ्यास कराया जाता है। इससे हम अनेकों खेदजनक स्थितियों से उबर जाते हैं। जब भी हमारा कोई ग्राहक उबलने की कगार पर पहुंचता है, हम फट्ट विनम्रता अपनाकर खेद व्यक्त कर देते हैं। भले ही आपका आक्रोश इससे हल्का हो न हो, हम तो हो ही जाते हैं।

अब तक आप 'हद्द हो गई यार' तक पहुंच गए होंगे। इसलिए हम आपकी कॉल अपने ग्राहक सेवा अधिकारी की ओर स्थानान्तरित कर देते हैं। तब तक आप अपना मोबाइल फोन कान में ठूंसे रहें। आप चाहें तो इसी अवस्था में नाश्ता, खाना वगैरह निबटा लें। प्रतीक्षा की इन्हीं घड़ियों का सदुपयोग, कब्जियत से परिपूर्ण उदर खाली करने में कर सकते हैं। हम लोग भी आपकी कॉल हैंग करके ऐसा ही करते हैं। लेकिन कॉल मत काटियेगा। विद्या माता की कसम बहुत पाप लगेगा। हमारी ओर से आपको प्रतीक्षा करने के लिए धन्यवाद मिलेगा और क्षमा प्रार्थना भी। आज भी इंसानियत और शिष्टाचार हमसे ही जिंदा है। वरना आप तो गालियां बकने पर उतारू हो ही चुके होंगे।

श्रीमानजी इस तरह एक नंबर से छः नंबर तक बटन दबाने वाले आप पहले और आखिरी नहीं हो। आप जैसे सत्रह सौ साठ रोजाना हमारे चक्रव्यूह में फंसते हैं और निकलने के लिए तड़फड़ाते हैं। श्रीमान, आप तो बटन दबाने की क्रिया से ही आक्रान्त हो उठे। कमाल है कि आपको दबने-दबाने की आदत जीवन में अब तक क्यों नहीं पड़ी। बताइये कौन है जो किसी से दबता नहीं है?

ईवीएम का बटन दबाते तक नेता आप से दबता है, फिर आप उनसे दबते हो। चोर और बदमाशों सहित पुलिस से, टैक्स के बोझ और अपनी ईमानदारी से, बेवकूफों के बीच अपनी अकलमंदी से, बीवी-बच्चों की फरमाइशों से, बीमारियों और तीमारदारों से, फाइलों और बॉस से...हर जगह तो आप दबे हुए हो। आप जोड़ना चाहते होंगे कि मैं कर्ज से भी दबा हूँ। कौन सी बड़ी बात है इसमें ? सरकारें भी तो दबी हुई हैं कर्ज से। वो तो बेचारी भ्रष्टाचार के बोझ से भी दबी हुई हैं। विपक्ष के आरोपों से दबी हुई हैं। अपनी ही पार्टी के लोगों की ब्लेक मैलिंग से दबी हैं। चलिए, आपका समय यहीं समाप्त हुआ। आपका दिन शुभ हो। हम बढ़ते हैं अगली कॉल की ओर।

....जी स्वागत है आपका। क्या बताया? मजदूर मिट्टी में दबे हुए हैं। अच्छी बात है। सूचना देने के लिए धन्यवाद। जीवित हों तो एक दबाएं, जिंदा न हों तो दो दबाएं, मरने वाले हों तो तीन दबाएं, फिर से यही संदेश दोहराने के लिए चार दबाएं। हमारे प्रतिनिधि से बात करने के लिए 5 दबाएं।

... क्षमा कीजिए हमारे सभी सम्पर्क अधिकारी अभी अन्य कॉल पर व्यस्त हैं।

सड़क के घटिया निर्माण की शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई

उपसरपंच के साथ 11 पंचों ने उपेक्षा से परेशान होकर दिया सामूहिक इस्तीफा

बैतूल/आमला। आमला के समीप ग्राम पंचायत तिरमहु में घटिया निर्माण कार्य को लेकर 6 माह से पंचों के द्वारा शिकायत की जा रही थी, लेकिन शिकायत के बाद भी जनपद पंचायत के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किए जाने को लेकर नाराज 11 पंचों ने आज सामूहिक रूप से उपसरपंच के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सचिव दयाशंकर मालवीय को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। पंचों ने बताया कि ग्राम पंचायत तिरमहु के ग्राम सोनतलाई में सड़क निर्माण की विगत छ माह से शिकायत कर रहे है। लेकिन जनपद के अधिकारीयों द्वारा कोई कार्यवाही नही की जा रही थी, इस वजह से हम पंचों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है। उपसरपंच खुशेन्द्र गहवाड़े ने बताया कि सरपंच सचिंव की मनमामी ओर घटिया निर्माण, ग्राम सभा ना होना, पंचों की उपेक्षा करने के कारण सभी पंचों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है। जबकि घटिया निर्माण सरपंच सचिव की मनमानी की शिकायत जिला पंचायत सहित कलेक्टर से भी की गई थी, लेकिन उसके बाद भी कोई कारवाई नही की गई है जब पंचों की कोई सुनवाई ही नहीं हो रही है तो पद पर बने रहना उचित बात नही है, सभी पंचों की नाराजगी है। गांव का माहौल खराब हो रहा है, आए दिन शिकवा शिकायत हो रही है। पंचायत के निर्माण कार्यो को लेकर थाने तक शिकायत हो चुकी है। महिला पंचों के साथ भेदभाव किया जाता है। पंचों से कोई भी सहमति नहीं ली जाती है । इस वजह से पंचायत सचिव को सामूहिक इस्तीफा दे दिया गया है।

पंचों ने की थी शिकायत, नहीं हुई सुनवाई

तिरमहू से सोनतलाई तक 3 किमी सुदूर सड़क और पुलिया का निर्माण होना था। करीब 64 लाख की इस सड़क के प्रोजेक्ट में घटिया सामग्री और घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। शिकायत पर आईएस विभाग ने सड़क निर्माण का काम रोक दिया। लेकिन अब तक सड़क निर्माण शुरू नही किया गया।

पंचों की मांग पर पंचायत ने नहीं बनाई थी सड़क

तिरमहू से रमली गांव जाने वाली 1.8 किमी ग्रेवल मार्ग का जो करीब 15 साल पहले बना था, जिसके बाद इस सड़क को पुनः नहीं बनाया गया। मरम्मत और नई सड़क निर्माण के अभाव में अब यह ग्रेवल सड़क भी कीचड़ में बदल गई है। ग्रामीणों ने कई बार पंचायत और अधिकारियों से निर्माण की मांग की किन्तु उनकी सुनवाई नहीं हुई। हालात यह है कि किसान खाद की बोरी सिर पर रखकर ले जाते हैं।

इनका कहना

यदि पंचों ने भष्टाचार का आरोप लगाया है तो मै पंचों से चर्चा कर इसकी जांच करवाता हूँ, पंच मेरे पास नहीं आए, उन्होंने इस्तीफा किस वजह से दिया है, इसकी मुझे जानकारी नही, उन की समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

-शैलेंद्र बडोनिया, एसडीएम आमला

आपके द्वारा मुझे इसकी जानकारी मिली है, इस संबंध में पंचों से चर्चा की जाएगी।।

-संजीत श्रीवास्तव सीईओ आमला

जनसुनवाई में दो दर्जन से अधिक शिकायतों का एसपी ने किया त्वरित निराकरण

बैतूल। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया द्वारा नागरिकों की समस्याओं शिकायतों को समक्ष में सुनकर उनका त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से जनसुनवाई की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 24 सितम्बर को सुबह 11 बजे से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुश्री शालिनी परस्ते के साथ आम जनता की 2 दर्जन से अधिक शिकायतों को समक्ष में सुना जाकर उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में संबंधित थाना प्रभारी विभाग को सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक के अनुसार जनसुनवाई एक महत्वपूर्ण कदम है जो पुलिस और जनता के बीच सेतु का काम करता है। साथ ही जनसुनवाई से निम्नलिखित उद्देश्यों की पूर्ति होती हैं। उन्होने बताया कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान होता है। पुलिस और जनता के बीच संबंध मजबूत होते हैं और विश्वास बढ़ता है। पुलिस को कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है और अपराधों को रोकने में सहायता मिलती है। नागरिकों की शिकायतों का

निराकरण होता है।

जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा आम जनता से की अपील: सुरक्षा में सहयोग अपने क्षेत्र की सुरक्षा में पुलिस का सहयोग करें और अपराधों की रोकथाम में मदद करें। अपराधों की रिपोर्टिंगरू यदि आपको कोई अपराध होता हुआ दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सामुदायिक पुलिसिंगरू अपने क्षेत्र में सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा दें और पुलिस के साथ मिलकर काम करें। महिला और बच्चों की सुरक्षारू महिला और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष ध्यान दें और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। यातायात नियमों का पालनरू यातायात नियमों का पालन करें और सड़क सुरक्षा में मदद करें। अपने अधिकारों के बारे में जानकारीरू अपने अधिकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और उनका उपयोग करें। पुलिस की जवाबदेहीरू पुलिस की जवाबदेही बढ़ाने के लिए अपनी शिकायतों को दर्ज कराएं। सामाजिक सुरक्षारू सामाजिक सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं और अपने समाज को सुरक्षित बनाएं।

प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत 2997 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्रित की

नागरिकों को स्वच्छता की दिलाई शपथ

बैतूल। स्वच्छता ही सेवा अभियान जिले में 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मंगलवार को जिले की 554 ग्राम पंचायतों के 1336 ग्रामों में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जनपद पंचायत समस्त, सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वच्छाग्राही, जनसेवा मित्र, पटवारी, कोटवार, स्व-सहायता समूह की दीदीयों एवं स्थानीय लोगों ने श्रमदान कर ग्रामों में प्लास्टिक को एकत्रित किया। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।

2997 किलोग्राम प्लास्टिक की एकत्रित

सीईओ श्री जैन ने बताया कि अभियान के तहत जिला एवं जनपद पंचायत स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित कर प्रति दो घंटा एकत्रित की जाने वाली प्लास्टिक की मात्रा को संकलित किया गया। जिले की 10 जनपद पंचायतों में 11 हजार 487 प्रतिभागियों द्वारा कुल 2997.79 किलोग्राम प्लास्टिक को एकत्रित किया। एकत्रित प्लास्टिक जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर निर्मित सेग्रीगेशन शेड एवं प्लास्टिक संग्रहण केन्द्र में संग्रहित किया गया है। जनपद पंचायत आमला में 218. 60 किलोग्राम प्लास्टिक को एकत्रित किया गया। इसी तरह जनपद पंचायत आठनेर में 164.49 किलोग्राम, जनपद पंचायत बैतूल में 902.89 किलोग्राम, जनपद पंचायत भैंसदेही में 318.80 किलोग्राम, जनपद पंचायत भीमपुर में 517.00 किलोग्राम, जनपद पंचायत चिचोली में 282.50 किलोग्राम, जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी में 178.57 किलोग्राम, जनपद पंचायत मुलताई में 108.50 किलोग्राम, जनपद पंचायत प्रभात पट्टन में 119.50 किलोग्राम तथा जनपद पंचायत शाहपुर में 186.94 किलोग्राम प्लास्टिक को एकत्रित किया गया।

स्वच्छता और स्वास्थ्य का सीधा संबंध

स्वच्छता ही सेवा पोस्टर का हुआ विमोचन

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले 'स्वच्छता ही सेवा है' महाअभियान के तहत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के माय भारत बैतूल द्वारा

अभियान चलाया जा रहा हैं। इस अभियान में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जन जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज स्वच्छता ही सेवा पोस्टर का केन्द्रीय मंत्री और क्षेत्रीय सांसद डीडी उईके द्वारा समाजसेवी ऋषिराज सिंह परिहार, सुशील उदयपुर, धनंजय सिंह ठाकुर की उपस्थिति में विमोचन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डीडी उइके ने कहा कि भारत सरकार विभिन्न जन जागृतियों के माध्यम से स्वच्छता को हम एक जन आंदोलन कैसे बना सकते हैं, इस क्षेत्र में पहल कर रही हैं। साथ ही युवा मामले में खेल मंत्रालय माय भारत बैतूल द्वारा भी दीवार लेखन, चित्रकला, श्रमदान, बैनर, पोस्टर के माध्यम से जन जागृति लाने का कार्य किया जा रहा है। सभी को इस जल्द जन आंदोलन का सहभागी बनना चाहिए और जहां पर स्वच्छता होती है, वहीं पर हम सुख समृद्धि ला सकते हैं। समाजसेवी ऋषि राज सिंह परिहार ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता के बिना हम किसी भी प्रकार से पूर्ण स्वस्थ नहीं रह सकते हैं। स्वस्थ रहने के लिए सबसे पहले हमारे जीवन की दिनचर्या में स्वच्छता को प्राथमिकता देना होगा। जिससे कि हम विभिन्न प्रकार की बीमारियों से दूर रहें और साथ-साथ हम एक लंबी आयु का स्वस्थ रूप से जीवन जी सकते हैं। इस अवसर पर धनंजय सिंह ठाकुर ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा महाअभियान की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

एनएसएस का स्वयंसेवक सिर्फ राष्ट्र उत्थान का सोचता है

एनएसएस ने मनाया 55वां स्थापना दिवस

बैतूल। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जेएच कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा संस्था का 55वां एनएसएस दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम पूर्व प्राचार्य खेड़ीसांवलीगढ बीआर पवार, राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित निलेश गिरी गोस्वामी के आतिथ्य में, महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ.बीडी नागले के संरक्षण में, कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई डॉ शीतल खरे एवं प्रोफेसर संतोष पवार के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर बाबूराव पवार ने राज्य स्तरीय पुरस्कार के बारे में जानकारी दी एवं स्वयंसेवकों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक वर्ग, जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र के भेद से उठकर सिर्फ राष्ट्र के उत्थान का ध्यान करता है। एनएसएस समाज सेवा के साथ पर्यावरण हित और लोगों को कुरीतियों करने, योजनाओं के लाभ की जानकारी देता है। निलेश गिरी गोस्वामी ने स्वयंसेवकों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रो.ऋषिकांत पंथी, प्रो.राजेश्वरी पवार, डॉ.धर्मेंद्र कुमार, डॉ.सरोज जावरकर,प्रो.कृष्णा गौसर, प्रो.शिवदयाल साहू, डॉ.नीलिमा पीटर, प्रो.दशरथ मीणा, प्रो.डॉ.छाया शाक्य, प्रो.राहुल ठाकुर, राम नारायण शुक्ला, मयूर वाजपेई, वरिष्ठ स्वयंसेवक सोमचंद साहू, प्रवीण परिहार,हिमांशु पाटिल, अमित मालवी, कोमल देशमुख, अंजली नागोरे, सुरभि जैन, कुणाल केकतपुरे, इशितयाक अली, निकिता सिरसाम विशाल अमरूते, निशु पवार, आयुष नागोरे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दिपाली गायकवाड़, गंगा बुडगारिया, किरण, प्रतिभा, प्रमिला,आसना, पलक राजगोंड आरती नागले, आकाश दुबे, हेमा रैकवार, दयाराम,भारती गावंडे, यशस्वी देशमुख स्मिता गव्हाड़े, कीर्ति अड़लक, हर्षलता सहित सभी स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

एक अक्टूबर से होगा 6 दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन

नारी उत्थान समिति के तत्वाधान में 6 दिन तक मिलेगा मुफ्त उपचार

बैतूल। नारी उत्थान समिति क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज संगठन, जिला बैतूल के तत्वाधान में शिवाजी सांस्कृतिक भवन, मानस नगर में 6 दिवसीय एक्यूप्रेशर सुजोक मसाज चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 1 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। इस शिविर में कमर दर्द, घुटने दर्द, साइटिका, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द, माइग्रेन, शुगर, बीपी, गैस, कब्ज, पाइल्स, हाथ-पैरों में झुनझुनी जैसी समस्याओं का एक्यूप्रेशर और मसाज चिकित्सा के माध्यम से उपचार किया जाएगा। शिविर का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 3 बजे से 6-30 बजे तक निर्धारित किया गया है। नारी उत्थान समिति की अध्यक्ष संगीता घोडकी और उनकी समस्त कार्यकारिणी ने बैतूल वासियों से अपील की है कि वे इस शिविर में उपस्थित होकर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान प्राप्त करें।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बांसपानी में नल जल योजना का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को बैतूल विकासखंड के ग्राम बांसपानी पहुंचकर जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन नल जल योजना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बैतूल द्वारा उच्च स्तरीय टंकी आधारित नल जल योजना के कार्य समयावधि में किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर द्वारा उच्च स्तरीय टंकी, सम्पवेल, सार्वजनिक नल व रोड रेस्टोरेशन के कार्यों का निरीक्षण करते हुए टंकी के आसपास का मलबा हटाकर मुरूम फिलिंग कराकर लेवलिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने

इसके अलावा टंकी के पास वाल्व चेंबर निर्माण, शेष सार्वजनिक नल के कार्य पूर्ण कर सभी में टोंटी लगाने तथा रोड रजिस्ट्रेशन कार्य पूर्ण कराने व पाइप लाइन का लीकेज सुधारने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बांसपानी ग्राम में स्वीकृत नल जल योजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने शेष कार्य शीघ्र पूरा कराने के निर्देश कार्य स्थल पर दिये।

पुलिस की तत्परता से डेढ़ साल की बच्ची को उसके परिजनों से मिलवाया

बैतूल। चौकी घोड़ाडोंगरी के सफाई कर्मचारी द्वारा सूचना मिली कि करीब डेढ़ साल की बच्ची चंडी माता मंदिर, घोड़ाडोंगरी में रोती हुई अकेली बैठी है, जिसके माता-पिता साथ में नहीं है। शायद गुम हो गई है, इस सूचना पर तत्काल उप-निरीक्षक आम्रपाली डाहट और प्रधान आरक्षक कुंवरलाल बरबड़े मौके पर पहुंचे और बच्ची को लेकर पहले चौकी घोड़ाडोंगरी पहुंचे। बच्ची घबराई हुई थी और कुछ भी बताने में असमर्थ थी। जिसके चलते तत्काल उसकी फोटो घोड़ाडोंगरी के व क्षेत्र के आसपास के विभिन्न सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप्स में साझा की गई। 25 सितम्बर को बच्ची की पहचान स्पष्ट न होने एवं उसके परिजनों के संबंध में कोई सूचना प्राप्त न होने पर तत्काल महिला एवं बाल विकास सुपरवाइजर, घोड़ाडोंगरी, श्रीमती अनामिका छारी को सूचित किया गया। सुपरवाइजर भी पुलिस चौकी पहुंची और बच्ची का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

फोटो के आधार पर हुई पहचान

बच्ची की पहचान करने हेतु बच्ची की तस्वीर को मोबाईल पर आसपास के लोगों को दिखाया गया, व सोशल मीडिया पर तत्काल प्रसारित किया गया, पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप फोटो के आधार पर बेहड़ीढाना के नीलेश ताराम ने बच्ची की पहचान की जो उसके मोहल्ले की रहने वाली होना बताया व बच्ची की मां का नाम बिस्सो कुमरे बताया, बच्ची की मां से तत्काल संपर्क किया गया पहचान स्पष्ट होने पर उनको बच्ची सुपुर्द की गई। गुम हुई बच्ची को पुलिस द्वारा अपने तत्परता एवं सूझबूझ से परिजनों के सुपुर्द किया गया, बच्ची के परिजन जो काफी परेशान हो गए थे, उसके मिलने पर परिजनों ने पुलिस प्रशासन का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया है।

होनहार युवक सोनी लापता,बाईक मिली नर्मदा ब्रिज बुधनी पर

सोहागपुर। सोहागपुर जवाहर वार्ड निवासी विशाल सोनी पिता स्व. गणेशप्रसाद सोनी उम्र 23 वर्ष लापता हो गया है।उसकी बाईक नर्मदापुरम के नर्मदा नदी के बुधनी ब्रिज पर पुलिस को मिली है। विशाल सोनी के चाचा कैलाश सोनी ने बताया कि मेरा भतीजा 19 सितंबर को भोपाल गया था। वहां करोंद में मकान किराए पर लिया था। जिसका किराया तीन हजार मकान मालिक को दिया था। भोपाल में एमसीए प्रथम वर्ष में पढ़ाई कर रहा था। परिजनों ने जब उसे फोन किया तो रिसीव नहीं हुआ।तब चिंतित परिजनों ने खोजबीन की । लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चल सका। बाद में भोपाल निशातपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी बीच पता चला कि उसकी बाईक नर्मदापुरम नर्मदा नदी बुधनी में बाईक मिली है। युवक के चाचा कैलाश सोनी ने इस प्रतिनिधि को बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना ने युवक की खोजबीन के लिए एनडीआरएफ टीम के करीबन 4 सदस्यों के दल नर्मदा में नदी भेजा था। लेकिन कोई युवक का सुराग नहीं मिल सका। नर्मदापुरम की नर्मदा नदी में एनडीआरएफ की टीम युवक की खोजबीन करती हुई।

कमिश्नर इंदौर ने धार जिले की घटना पर लिया कड़ा एक्शन, सहायक आयुक्त, छात्रावास अधीक्षक को किया निलंबित

- *धार जिले के सरदारपुर विकासखंड के रिंगनोद छात्रावास में दो छात्रों की करंट लगने से हुई मृत्यु की दुखद घटना पर बड़ी कार्रवाई*

धार। इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने धार जिले के सरदारपुर विकासखंड के रिंगनोद छात्रावास में दो छात्रों की करंट लगने से हुई मृत्यु की दुखद घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बड़ी कार्यवाही करते हुए तत्काल प्रभाव से धार जिले के सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग तथा छात्रावास अधीक्षक को निलंबित कर दिया है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने संभाग के सभी जिलों में स्थित छात्रावास/आश्रमों के अधीक्षकों और संबंधित अधिकारियों को हिदायत दी है कि वे ऐसी माकूल व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें जिससे कि किसी भी विद्यार्थी को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। हर बच्चे की हर तरह की सुरक्षा हो। छात्रावासों और आश्रमों में सुरक्षा और स्वास्थ्य के समुचित इंतजाम रहे। उदासीनता और लापरवाही अक्षम्य होगी। उदासीनता और लापरवाही पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए विभाग के जिला प्रमुख भी जिम्मेदार रहेंगे। इंदौर संभाग के धार जिले के सरदारपुर विकासखंड में संचालित शासकीय अनुसूचित जनजाति सीनियर बालक छात्रावास रिंगनोद में दो छात्रों की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। इस घटना पर छात्रावास के अधीक्षक बनसिंह कनौज और प्रभारी सहायक आयुक्त ब्रजकांत शुक्ला को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्री शुक्ला के विरूद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के पालन नहीं करने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता तथा लापरवाही बरतने सहित अनेक गंभीर लापरवाही के आरोप है।

पोषण व एनीमिया परिचर्चा एवं पोषण क्विज का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में राष्ट्रीय पोषण माह एक सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक जिले में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय में पोषण व एनीमिया परिचर्चा एवं पोषण क्विज का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास, आयुष एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 77 बालिकाओं ने भाग लिया। पोषण क्विज में सर्वाधिक सही जवाब देने वाली बालिकाओं को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। अंतर्राष्ट्रीय बधिर जन सप्ताह 23 से 29 सितंबर एवं विश्व सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले व सीएमएचओ डॉ. एपी सिंह के मार्गदर्शन में जिला नरसिंहपुर के जिला अस्पताल नरसिंहपुर के परिसर में बुधवार को निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 57 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जांच एवं उपचार प्रदान किया गया। साथ ही 2 बच्चों को कॉकलियर इंप्लांट के लिए चिन्हांकित किया गया। श्रवण बधिरता से संबंधित जांच एवं उपचार नाक- कान व गला विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र सिंघई द्वारा किया गया।शिविर में एनपीपीसीडी नोडल डॉ. देवेंद्र रिपुदमन, डीईईएम हर्ष कुमारी, ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच थैरेपिस्ट राकेश लोधी, निखलेश साहू व सरिता पटेल फिजियोथेरेपिस्ट मौजूद थे।

जिले में अब तक 1128.6 मिमी वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 25 सितम्बर तक की अवधि में औसत रूप से कुल 1128.6 मिमी अर्थात् 44.43 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 25 सितम्बर की सुबह तक बीते 24 घंटे में तहसील नरसिंहपुर में 3 मिमी और गोटेगांव में 2 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 सितम्बर तक तहसील नरसिंहपुर में 1117 मिमी, गाडरवारा में 1222 मिमी, गोटेगांव में 1223 मिमी, करेली में 948 और तेन्दूखेड़ा में 1133 मिमी वर्षा आंकी गई है।

अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों के खेतों में पहुंचे कांग्रेस जिला अध्यक्ष, खेतवार सर्वे कर मुआवजे की मांग

टाहली और कुमली गढ़ा के किसानों से मिले, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

बैतूल। कांग्रेस जिला अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने बैतूल विधानसभा क्षेत्र के टाहली, कुमली गढ़ा और आसपास के ग्रामीण इलाकों का दौरा किया। श्री वागद्रे ने क्षेत्र के किसानों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनके खेतों में जाकर फसलों की बर्बादी का निरीक्षण किया। किसानों ने बताया कि इस वर्ष लगातार बारिश से उनकी फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं, जिससे उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

श्री वागद्रे ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि कांग्रेस उनके साथ है। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि के कारण जिन किसानों की फसलें नष्ट हुई हैं, उनके लिए सरकार को तुरंत खेतवार सर्वे कराकर मुआवजे की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। वागद्रे ने कहा कि किसानों की स्थिति बेहद चिंताजनक है और उन्हें तत्काल मदद की जरूरत है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सर्वे कार्य में कोई देरी न हो और किसानों को उनके नुकसान का उचित मुआवजा शीघ्र मिले।

कांग्रेस का किसानों के प्रति समर्थन: श्री वागद्रे के साथ इस दौरे में कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तरूण कालभोर, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश राजपूत, राजेश गवांडे, मंगू सोनी, प्रतीक देशमुख, मनोज धोटे, रत्नेश देशमुख, गिरिश साबले, विनोद यादव, मुकेश यादव, बबलू धुर्वे, बलराम मस्की, मोनू पवांर, सेंटी वाघमारे, विशाल गलफट, अंशु गीद, दिनेश देशमुख, अनिल देशमुख, मनीष देशमुख, सुरेश कबाड़े, दशरथ काका, टिंकू पटेल, गोलू देशमुख, हरिहर राव, नागौर राव देशमुख और रोहित कोटकड़े आदि उपस्थित थे। इन सभी नेताओं ने किसानों की स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई और सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

मुआवजा न मिलने पर होगा विरोध: श्री वागद्रे ने कहा कि यदि सरकार किसानों को जल्द मुआवजा नहीं देती है, तो कांग्रेस किसानों के समर्थन में बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों के साथ हो रहे इस अन्याय को सहन नहीं किया जाएगा और कांग्रेस उनके हक की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। उन्होंने कहा कि किसानों का दर्द समझना और उन्हें आर्थिक मदद पहुंचाना सरकार का कर्तव्य है।

प्रभावित गांवों में जल्द सर्वे की आवश्यकता

कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन से मांग की कि टाहली, कुमली गढ़ा और आसपास के गांवों में प्रभावित किसानों की सूची तैयार की जाए और जल्द से जल्द खेतवार सर्वे कराया जाए। उन्होंने कहा कि बारिश से फसलें नष्ट होने के बाद किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है, इसलिए मुआवजा देने में देरी नहीं होनी चाहिए।

जिले के 1879 बूथों पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाकर भाजपा सदस्यता अभियान चलाया

सदस्यता अभियान अंतर्गत केंद्रीय मंत्री,जिला अध्यक्ष ,विधायक भाजपा नेताओं ने दिलाई भाजपा की सदस्यता

धार। राष्ट्र के प्रगति पथ पर चलें, भाजपा परिवार से जुड़ें, सदस्यता अभियान - 2024 के निमित बुधवार को केंद्रीय मंत्री,जिला अध्यक्ष ,विधायक भाजपा नेताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीण नगर भाइयों-बहनों से भेंटकर उन्हें टोल फ्री नम्बर 8800002024 पर मिस्ड कॉल तथा रेफरल लिंक के माध्यम से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर चित्र पर माल्यार्पण कर जिले के 1879 बूथों पर विशेष महासदस्यता अभियान चलाकर प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर सौ-सौ सदस्य बनाकर विधिवत भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवायी। धार विधायक नीना वर्मा ने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी दुनिया सबसे बडी पार्टी बनी है और जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी और डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में गरीबों, महिलाओं और हर वर्ग का जीवन स्तर बदल रहा हैं। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती पर भाजपा सदस्यता महा अभियान के अंतर्गत जिले के वरिष्ठ नेता व जनप्रतिनिधि विभिन्न बूथ पर जाकर 100 सदस्य बनाएं जिसमें केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने बूथ क्रमांक 105 धार नगर के कुशाभाऊ ठाकरे मंडल, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने बदनावर नगर के बूथ क्रमांक 59 पर पहुंच कर सदस्यता अभियान चलाया इसी प्रकार धार विधायक नीना वर्मा ने नगर के बूथ क्रमांक 62 और 50 सेनापति मंडल में शामिल हुई, धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने धामनोद नगर मंडल के 171 बूथ क्रमांक पर, भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल ने कुक्षी विधानसभा के निसरपुर मंडल बूथ क्रमांक 218 पर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा बाग मंडल के बूथ नंबर 210 पर शामिल हुए,भाजपा जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ ने सागोर मंडल के बूथ क्रमांक 221 तथा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री दिलीप पटोदिया ने धार नगर के बूथ क्रमांक 114 पर पहुंचकर अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया। धार नगर के बूथ नंबर 62 में विधायक नीना विक्रम वर्मा भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,पार्षद अजित जैन,नगर कार्यालय मंत्री गौरव जाट जमना लाल जाट, अजय मोड, मनीष पांडे, कमलेश माहेश्वरी, शांतिलाल माहेश्वरी, सत्य नारायण माहेश्वरी विकास मराठे , नवीन भंवर, गंगाराम लश्करी, आशीष पांडे रामचंद्र जी राजपूत ,विमल त्रिवेदी, सोनू सोनी,सौरभ त्रिपाठी, रीमा राठौर सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उद्योगों की सकारात्मकता का लाभ जिले के विकास में मिल रहा है : कलेक्टर

देवास। देवास के उद्योग अपने सीएसआर फंड का उपयोग सकारात्मकता के साथ जिले की जरूरतों को पूरा करने के लिए जिस तरह सामने आ रहे हैं वो सराहनीय है। स्कूलों में फर्नीचर प्रोजेक्ट, स्मार्ट क्लास और पौधा रोपण के साथ सोलर सिस्टम से उर्जा व्यय में कटौती जैसे काम उद्योगों द्वारा किए जा रहे हैं जो सराहनीय है। यह बात जिला कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बेअरलॉकर उद्योग द्वारा जिला अस्पताल के नवनिर्मित प्रसूती गृह की छत पर लगाए जा रहे सोलर सिस्टम के भूमि पूजन के अवसर पर कही।

भूमि पूजन के अवसर पर जिलाधीश के साथ जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, बेअरलॉकर उद्योग के इंडिया आपरेशन हेड हितेश कंवर, सीएसआर हेड मुकेश मेहता, प्रबंधक प्रवीण शर्मा, इंजीनियर हिरेश ओझा, उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक मंगल रेकवार, सिविल सर्जन डॉ. एस.के.खरे तथा आर.एम.ओ. अजय पटेल उपस्थित थे। बेअरलॉकर उद्योग के प्रबंधक प्रवीण शर्मा तथा सीएसआर सहयोगी एक्ट ईव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि टेकरी पर सोलर सिस्टम के सफल इंस्टालेशन के बाद उद्योग द्वारा प्रशासन को सहयोग करते हुए अब जिला चिकित्सालय की छत पर 140 किलोवॉट का सोलर सिस्टम लगाया जा रहा है।

55 लाख की राशि से लगने वाले इस सोलर सिस्टम से प्रतिवर्ष 2 लाख यूनिट बिजली पैदा होगी जिससे तकरीबन 20 लाख रूपयों की बचत हो सकेगी। कंपनी के इंडिया आपरेशन हेड हितेश कंवर तथा सीएसआर हेड मुकेश मेहता ने कहा कि हम जिले के विकास के लिए प्रशासन को हर संभव सहयोग के लिए हमेशा तैयार है और आगामी दिनों में जिले के फर्नीचर विहिन स्कूलों को भी बड़ी संख्या में फर्नीचर देने जा रहे है।

देवास प्रेस क्लब अध्यक्ष बने ललित शर्मा

देवास । प्रेस क्लब देवास के इस बार 28 सितंबर को होने वाले चुनावों के पूर्व सभी गुटों मे आपसी सहमति से सभी पदो के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण में निम्नांकित पदाधिकारियों का मनोनयन हुआ।

अध्यक्ष - ललित शर्मा

उपाध्यक्ष - खुमान सिंह बैस, शकील खान

सचिव - शेखर कौशल

कोषाध्यक्ष - सिद्धार्थ मोदी

सहसचिव - अशोक पटेल

कार्यकारिणी सदस्य - चेतन राठौड़, अरुण परमार

विशेष आमंत्रित सदस्य - राजेश पाठक, शैलेन्द्र अड़ावदिया, खूबचंद मनवानी, विजेंद्र उपाध्याय, जितेंद्र शर्मा, राजेंद्र चौरसिया

नगर पंचायत परिषद ने मंगल भवन में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का सफल आयोजन,70 का परीक्षण

सुबह सवेरे सोहागपुर ।नगर पंचायत परिषद ने मंगल भवन में शासन के निर्देशानुसार 2 अक्टूबर तक चलाया जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत आज सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस ब्लाक मेडीकल आफीसर डॉक्टर संदीप किरकट्टा,डॉ. कमलेश विश्वास,डॉ. नीलिमा कुशवाहा,नेत्र सहायक ए .के . शाक्य, अब्बास अली,चन्द्रकला कुशवाहा, प्रभा बोरवन,नेहा मांझी,सुनीता नायक,अर्चना डोंगरे,आर.के. बामने,बलराम नागवंशी, राजदीप पटेल, नगर पंचायत परिषद अमित परसाई, संजय पचौरी, नीरज मलैया, प्रान्जुल दीवान, दीपक कुमार आदि उपस्थित थे। इस सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टरों एवं सहयोगियों की टीम ने समस्त सफाई मित्रों,वाहन चालकों एवं अन्य कर्मचारी के स्वास्थ्य परीक्षण में कर्मचारी के ब्लड प्रेशर शुगर ,मलेरिया ,टाइफाइड, डेंगू, नेत्र ,कान आदि की जांच की गई। जांच के उपरांत उसको आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्य नगरपालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीबन 70 से अधिक सफाई मित्रों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया । प्रदेश शासन के दिशा-निर्देश के अनुसार स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन 2अक्टूबर तक किया जाएगा ।

परिषद का प्रस्ताव कब से गोपनीय होने लगा...?

अपील खारिज के बाद विधायक ने नपा पहुंचकर फाईल में देखे कागजात..

नर्मदापुरम-।नगरपालिका परिषद नर्मदापुरम क्षेत्रांतर्गत बजरिया स्कूल की जगह पर आडिटोरियम निर्माण संबंधी नस्ती में नगरपालिका नर्मदापुरम के विशेष सम्मेलन दिनांक 19/10/2022 को पारित संकल्प क्रमांक 6 से लेकर आज दिनांक तक उक्त नस्ती में की गई समस्त कार्यवाहियों अर्थात सम्पूर्ण नस्ती की प्रमाणित प्रति प्रदाय करने की प्रथम अपील प्राधिकारी एवं संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास सुरेश बेलिया ने आवेदक द्वारा चाही गई जानकारी गोपनीयता और शुद्धता के स्पर्श पर आधारित है बताकर अधिनियम धारा 8 (1) (जे) एवं धारा 11 पर व्यक्ति से संबंधित होने के कारण प्रावधानित अपवाद व संरक्षाओं की परिधि के अधीन होना माना गया है। लिखते हुए अपने आदेश में लिखा सम्पत्ति संबंधी जानकारी अधिनियम में विहित धाराओं के अधीन व्यक्ति गत जानकारी है। इसके प्रकटन से उनकी निजता पर अनावश्यक अतिक्रमण होगा माना है। अतः चाही गई सूचना का प्रकटन विस्तृत लोक हित में न्यायोचित नहीं है प्रथम अपील निराकृत की है। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी एवं संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास सुरेश बेलिया के इस आदेश को लेकर जन-मानस में एक नई चर्चा व्याप्त हो गई जिसमें कहा जा रहा है परिषद का प्रस्ताव कब से गोपनीय हो गया। हालांकि अपीलार्थी को यहां द्वितीय अपील के लिए प्रथम अपीलीय अधिकारी ने 90 दिन का समय मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयोग में जाकर इस आदेश से सहमत नहीं होने पर अपील प्रस्तुत करने का मौका दिया है। मजेदार बात यह है कि 9/8/24 को पारित इस आदेश के बाद विधायक खुद नगरपालिका कार्यालय में पहुंचे और उन्होंने आज मुख्य नगरपालिका अधिकारी की अनुपस्थिति में आडिटोरियम संबंधित फाइल सहित अन्य दो फाईलों का अध्ययन किया है। गौरतलब होगा तोड़ी गई नगर की धरोहर रुपी बजरिया स्कूल के मामले में सामने आ रही गुत्थियां सुलझ नहीं पा रही और आडिटोरियम बनाने की प्राथमिकता पर विधायक जी एक तरह से अड़ गए हैं। जिन्होंने पाठ्य-पुस्तक निगम के अनुदान राशि पर बनी बजरिया स्कूल के उस नये शाला भवन को भी उसकी उम्र पूरी होने के पहले तुड़वाने में रुचि दिखाई है जो काफी सुर्खियों में है।

आम नागरिकों को यहां मानना है कि इटारसी में स्थित वर्षों पुराने गांधी भवन सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासनिक आदेश पर तोड़ें जाने का विरोध विधायक गांधी भवन की गुणवत्ता को लेकर प्रशासनिक रिपोर्ट अमान्य कर द्वितीय जांच मैनिट संस्था से करवाने पर अड़ जाते हैं फिर धरोहर रुपी बजरिया स्कूल शाला भवन को उम्र दराज होने से पहले तुड़वाने में राजी क्यों हुए होंगे..

म.प्र.के 64,871 बूथों पर भाजपा की मेगा मेंबरशिप ड्राइव

सीएम ने नरेला में दिलाई सदस्यता, प्रदेश सह प्रभारी ने चूड़ी के ठेले वाले को बनाया मेंबर

भोपाल (नप्र)। भाजपा के संस्थापक पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आज बुधवार को एमपी के सभी बूथों पर बीजेपी मेगा मेंबरशिप ड्राइव चला रही है। प्रदेश के सभी 64871 बूथों पर 100-100 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि अलग-अलग बूथों पर आम लोगों को सदस्यता दिलाने पहुंचे। बीजेपी के सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ठेले पर चूड़ी बेच रहे रेहड़ी वाले को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

ये नेता इन बूथों पर पहुंचे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल की नरेला विधानसभा के महामाई मंडल के बूथ क्रमांक- 138 व 134 पर लोगों को बीजेपी की सदस्यता दिलाई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने हुजूर विधानसभा के गांधी नगर मंडल के बूथ क्रमांक-53 में लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने भोपाल उत्तर विधानसभा के गुरूनानक मंडल के बूथ क्रमांक-46 पर, प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के पंचशील मंडल के बूथ क्रमांक-196 पर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मल्हारगढ़ विधानसभा के मल्हारगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक-51 एवं 52 और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला रीवा विधानसभा के बूथ क्रमांक 115 में लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सीएम बोले- अभावों में बीता दीनदयाल जी का बचपन

भोपाल के नरेला विधानसभा के बूथ क्र. 138 व 134 पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा बचपन में माता-पिता गुजर गए। नाना के घर गए तो उनका भी देहावसान हो गया। मामा पढ़ाने लगे कुछ दिन बाद मामा भी चले गए। जिन्होंने अभावों में लगातार कष्ट ही कष्ट देखा। लेकिन अपनी प्रतिभा के बलबूते पर स्कूल, कॉलेज में गोल्ड मैडल हासिल किए। जीवन में प्रतिभा से संपन्न लेकिन, इतने कष्टों के बीच में बढ़कर आगे बढ़े उन्होंने निर्णय किया कि मैं विवाह नहीं करुंगा। गरीब से गरीब की जिन्दगी बदलने के लिए राष्ट्रवादी दल बनाऊंगा। ये भाव लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय आगे बढ़े।

मैं भले सीएम लेकिन, पार्टी के आदेश पर प्रदेश से बूथ तक गया: सीएम ने कहा- मैं भले ही मुख्यमंत्री हूं लेकिन, पार्टी ने तय किया तो मैं प्रदेश के कार्यक्रम में गया। जिले के कार्यक्रम में गया। फिर इंदौर में मंडल और ग्वालियर में शक्ति केन्द्र के कार्यक्रम में शामिल हुआ। और आज भोपाल में बूथ के कार्यक्रम में सदस्यता के लिए शामिल होने आया हूं। ये हमारी पार्टी का सिद्धांत भी है और ये हमारे लिए पाथेय भी है। हम जो कहते हैं वो कर के दिखाते हैं। हर चीज को बोलने और भाषण की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि सवाल बोलने का नहीं करके दिखाने का है। सीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा- हम शाम तक ये सदस्यता अभियान चलाएं। कोई घर नहीं जाएगा। सदस्यता में मप्र के संगठन और वीडी शर्मा की वजह से नया रिकॉर्ड बना है। सदस्यता अभियान में जिस प्रकार से उत्साह दिख रहा हैज। हमारे कार्यकर्ता बूथ बूथ पर काम कर रहे हैं। हम सब भाजपा के राष्ट्रीय अभियान में शामिल हुए हैं। आज शाम तक जब सदस्यता का रिकॉर्ड बनेगा तो मप्र सभी राज्यों से आगे बढ़ेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने हुजूर विधानसभा के गांधी नगर मंडल के बूथ क्रमांक-53 में लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई

हर समाज व वर्ग के लोग बन रहे भाजपा के सदस्य: वीडी शर्मा ने कहा कि सदस्यता अभियान समाप्त होने के बाद युवा, महिला व किस समुदाय के कितने लोग भाजपा सदस्य बनें, यह स्पष्ट होगा, लेकिन अभी तक जितनी सदस्यता हुई है, उसमें हर समाज वर्ग के लोग भाजपा से जुड़े हैं। विशेषकर युवा और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। भाजपा सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी है के सिद्धांत पर चलकर हर समाज वर्ग को जोड़ने का कार्य करती है।

संगठन पर्व में किन्नर समुदाय ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। भाजपा किसान सदस्य दिवस के दिन प्रदेश में बड़ी संख्या में किसानों को पार्टी का सदस्य बनाया है। युवा मोर्चा ने युवाओं को सदस्यता दिलाने का अभियान चलाया, जिसमें एक दिन में 10 लाख सदस्य बनाए। इससे पहले एक दिन में मध्यप्रदेश भाजपा ने 7 लाख 50 हजार सदस्य बनाए थे। मध्यप्रदेश की कुछ ऐसी विधानसभाएं भी हैं, जहां भाजपा के विधायक नहीं हैं, लेकिन वहां सदस्यता में बहुत अच्छी प्रगति है। भोपाल की मध्य विधानसभा, उत्तर विधानसभा, सतना, अशोक नगर विधानसभाएं सदस्यता अभियान में टॉप 10 में शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में अब तक 85 लाख सदस्य बने

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बताया अब तक मिस्ड कॉल के आधार पर 85 लाख सदस्य बनाए हैं। वहीं, 77 लाख लोग पार्टी के निर्धारित प्रपत्र को भरकर सदस्य बन चुके हैं। अभियान के पहले चरण में हमारा फोकस मास मेंबरशिप पर रहा, लेकिन अब अगले चरण में हम अलग-अलग वर्गों, समूहों के लोगों को पार्टी से जोड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी सतीश उपाध्याय ने भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा के पंचशील मंडल के बूथ क्रमांक-196 पर लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

महाराजा रणजीतसिंह महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं द्वारा चल रहे 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े में निकाली गई रैली

भोपाल। महाराजा रणजीत सिंह महाविद्यालय, अयोध्या नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के अंतर्गत सर्वप्रथम स्वच्छता जागरूकता के लिए छात्र - छात्राओं द्वारा एक रैली निकाली गई जिसमे छात्रों द्वारा लोगों को स्वच्छता हेतु जागरूक किया गया। उसके उपरांत अयोध्या नगर चौराहे पर नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं क्षेत्रीय पार्षद की उपस्तिथि में स्वच्छता पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया, जिसे वहां उपस्थित सभी लोगों के द्वारा सराहा गया। एवं कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय पार्षद द्वारा वहां उपस्थित छात्र - छात्राओं, अधिकारी,कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छता ही सेवा की शपथ भी दिलवाई गई।

सड़क पर सो रहे दंपत्ति को डंपर ने कुचला

दोनों की मौके पर मौत, भोपाल में निर्माणाधीन कॉलोनी में हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित लांबाखेड़ा इलाके में सड़क पर सो रहे दंपत्ति को डंपर ने कुचल दिया। हादसा मंगलवार रात निर्माणाधीन कॉलोनी में हुआ। डंपर कॉलोनी में बिल्डिंग मटेरियल डालने आया था। घटना उस वक्त हुई, जब डंपर रिवर्स हो रहा था। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है जबकि ड्राइवर की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार बच्चू लाल (50) विदिशा जिले के शमशाबाद के बेरावल गांव का रहने वाला था। उसकी पत्नी घनश्याम बाई भी मजदूरी करती थी। दोनों पिछले दिनों मजदूरी करने के लिए लांबाखेड़ा के पास निर्माणाधीन कॉलोनी सनराइज होम्स में चौकीदारी करते थे। यहां बिल्डर ने छोटा सा मकान बना रखा है, जिसमें मजदूर रहते हैं। इसका काम भी चल ही रहा है, जिसके कारण उसमें लाइट नहीं है।

गर्मी की वजह से बाहर आकर सोए थे पति-पत्नी

गर्मी के कारण मंगलवार रात दोनों बाहर आकर सो गए। रात करीब 11 बजे डंपर कॉलोनी में बिल्डिंग मटेरियल डालने के लिए डंपर आया था। वह तीन चक्कर पहले मटेरियल डाल चुका था। चौथी ट्रिप पर वह रात करीब 11 बजे पहुंचा। गिट्टी पटकने के बाद चूंकि आगे जाने का रास्ता नहीं था, इसलिए ड्राइवर ने डंपर को रिवर्स करना शुरू कर दिया। इसी दौरान निर्माणाधीन सड़क पर सो रहे बच्चूलाल व उसकी पत्नी घनश्याम बाई को चपेट में ले लिया। डंपर के चारों पहिए चढ़ जाने के कारण दोनों के शरीर कुचल गए। पुलिस का कहना है कि पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया, जबकि ड्राइवर भाग गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उच्च न्यायालय के नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधीश श्री कैत के सम्मान में दिया दोपहर भोज

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर उच्च न्यायालय के नव-नियुक्त मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत के सम्मान में दोपहर भोज दिया। बुधवार को राजभवन में मध्यप्रदेश के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ लेने के बाद श्री कैत दोपहर में मुख्यमंत्री निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्य न्यायाधीश का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, आमंत्रित अन्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा एवं भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्य न्यायाधीश श्री कैत को राजा भोज की एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरोज कैत को रानी कमलापति की कांस्य प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंटकर सम्मान किया। इस अवसर पर उच्च न्यायालय के कार्यवाहक न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा एवं राज्यपाल श्री पटेल को भी राजा भोज की कांस्य प्रतिमाएं स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की गईं। उल्लेखनीय है कि जस्टिस श्री कैत मूलतः हरियाणा के कैथल जिले के निवासी हैं। उन्होंने 12 अप्रैल 2013 से न्यायाधीश के रूप में रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। जस्टिस श्री कैत ने 12 अप्रैल 2016 से 11 अक्टूबर 2018 तक तेलंगाना हाईकोर्ट के बाद 12 अक्टूबर 2018 से दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी सेवाएं दीं।

13 दिन...3 पिंजरे, लेकिन नहीं फंसे सियार

15 दिन बाद फिर खुला भोपाल का बोरवान पार्क; अभी 1 घंटा खुलेगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बोरवान पार्क में लगे 3 पिंजरों में 13 दिन बाद भी सियार नहीं फंसे हैं। ऐसे में अनुमान है कि सियार बड़ा तालाब से होकर पार्क से बाहर निकल गए हैं। इसलिए 15 दिन के बाद बोरवान पार्क 1 घंटे के लिए खोल दिया गया है। सुबह 7 से 8 बजे तक लोग पार्क में वॉक कर सकेंगे। पार्क के गेट पर ताला लगा होने से 4 हजार लोगों का घूमना बंद हो गया था।

बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) स्थित बोरवान पार्क करीब 175 एकड़ क्षेत्र में फैला है। पहले लोगों के लिए यह सुबह 6 से 10 बजे तक और शाम 4 से 6 बजे के बीच खोला जाता है। हर रोज 3 से 4 हजार लोग घूमने पहुंचते थे, लेकिन 11 सितंबर की सुबह पार्क में सियारों की मौजूदगी से उनका घूमना बंद हो गया था। हजारों लोग मॉर्निंग और इवनिंग वॉक नहीं कर पा रहे थे। दूसरी ओर, वन विभाग ने सियारों को पकड़ने के लिए 3 पिंजरे भी लगाए थे।

पिंजरे में नहीं फंस रहे सियार: बता दें कि 11 सितंबर को पार्क में मॉर्निंग वॉक

पर गए लोगों ने सियारों का झुंड देखा था। तभी से वन विभाग की क्रैक टीम यहां मौजूद है। 13 सितंबर को यहां 3 पिंजरे लगाए गए थे। ताकि, सियारों को पकड़कर जंगल में छोड़ा जा सके, लेकिन अब तक एक भी सियार पिंजरे में नहीं फंसा है। हालांकि, बाद में सियार भी पार्क में दिखाई भी नहीं दिए। ऐसे में एक संभावना यह भी जताई जा रही है कि सियार पार्क के पीछे तालाब की ओर से जंगल की ओर निकल गए होंगे।

5-6 की संख्या में ही रहते हैं सियार

डीएफओ आलोक पाठक ने बताया, अमूमन सियार 5 से 6 की संख्या के झुंड में ही रहते हैं, लेकिन बोरवान पार्क में इनकी संख्या करीब 15 है। बड़ा तालाब में पानी अधिक होने से वे पार्क में आ गए होंगे।

बड़ी राहत मिलेगी

बैरागढ़ के दीपक वाधवानी ने बताया, बोरवान पार्क खुलने से मॉर्निंग और इवनिंग वॉक करने वाले हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अभी यह 1 घंटा ही खुला रहेगा। इसके बाद इसे पूर्व के समय अनुसार ही खोला जाएगा। पार्क बंद होने से लोग गुलाब पार्क में जा रहे थे, लेकिन वहां व्यवस्थाएं ठीक नहीं होने से लोग परेशान हो रहे थे।

सुल्ताना डाकू से की टंट्या मामा की तुलना

यूट्यूबर ने मांगी माफी; नेता प्रतिपक्ष बोले- आदिवासियों की भावनाएं आहत हुईं, सरकार लीगल एक्शन ले

भोपाल (नप्र)। एफएम रेडियो के (रेडियो जॉकी) और यूट्यूबर रौनक के वीडियो पर विवाद छिड़ गया है। आरजे रौनक ने अपने वीडियो में टंट्या मामा की तुलना सुल्ताना डाकू से की है। 6 सेकंड के वीडियो को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

विवाद छिड़ा तो वीडियो डिलीट कर माफी मांगी: आरजे रौनक के यूट्यूब वीडियो पर विवाद छिड़ा, तो उन्होंने एक्स हैंड पर पर माफी मांगी। आरजे रौनक ने लिखा- दोस्तों, आरजे रौनक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए हमारे ताजा वीडियो में महान आदिवासी क्रांतिकारी श्री टंट्या भील जी की तस्वीर गलत संदर्भ में प्रयोग हो गई थी। जैसे ही, इस ओर ध्यान दिलाया गया, हमने फौरन इसे हटा लिया। अनजाने में हुई इस भूल के लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं।

नेता प्रतिपक्ष बोले- कृत्य माफी योग्य नहीं: नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी एक्स हैंडल पर लिखा- मेरे आदिवासी समाज के देवता तुल्य टंट्या मामा के बारे में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने वाले यूट्यूबर आरजे रौनक का कृत्य माफी योग्य नहीं है।

महाकाल मंदिर परिसर में केक काटा, 10 कर्मचारी सस्पेंड

वर्चुअली दर्शन कराने वाली कंपनी की महिलाकर्मी का बर्थडे था; पुजारी बोले- यह नियमों के खिलाफ

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर परिसर में कर्मचारियों ने केक काटकर सहकर्मी युवती का बर्थडे सेलिब्रेट किया। मामला मंगलवार का है। इसका वीडियो बुधवार को सामने आया। जिसके बाद मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ के निर्देश पर 10 कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, पुजारी ने भी इसे धार्मिक मान्यताओं के उलट बताया है। मंदिर परिसर में प्रोटोकॉल ऑफिस के पास भोपाल की AR (ऑग्मेंटेड रियलिटी) कंपनी को वीआर (वर्चुअल रियलिटी) तकनीक से महाकाल मंदिर की भस्म आरती दिखाने का टेंडर मिला है। कंपनी के 12 से ज्यादा कर्मचारी रोजाना श्रद्धालुओं को भस्म आरती के दर्शन करवाते हैं। मंगलवार को कर्मचारी रचना विश्वकर्मा का जन्मदिन था। प्रोटोकॉल कार्यालय के फर्स्ट फ्लोर पर साथी कर्मचारियों ने बाकायदा केक काटकर उसका बर्थडे मनाया। सेलिब्रेशन का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।। वीडियो में केक काट रही युवती के साथ कर्मचारी दिखाई दे रहे हैं।

युवती मंदिर परिसर में ही केक काट रही है। वीडियो में महाकाल लोक भी दिख रहा है।

पुजारी बोले- मंदिर परिसर में केक काटना धर्म के विपरीत

वीडियो सामने आने के बाद महाकाल मंदिर समिति के पूर्व सदस्य महेश पुजारी ने कहा कि अगर जन्मदिन मंदिर में ही मनाना हो, तो महाकाल के दर्शन करें। भस्म आरती में शामिल हों, हार पहनें। पंडित जी का आशीर्वाद लेकर जन्मदिन मनाया जा सकता है। लेकिन इस तरह से मंदिर परिसर में केक काटना धर्म के विपरीत है।

ऑग्मेंटेड रियलिटी कंपनी ने जारी किया लेटर: कंपनी ने भी मंदिर समिति को पत्र लिखा है। इसमें लिखा है कि कर्मचारियों की ओर से बिना पूर्व सूचना या अनुमति के केक कटिंग की गई थी। अनुशासनहीनता को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से कर्मचारियों पर एक्शन लिया गया है। कंपनी ने भविष्य में ऐसी घटना नहीं होने का आश्वासन दिया है।

कंपनी ने 10 ऑपरेटरों को किया सस्पेंड

मीडिया खबर छपने के बाद कंपनी ने कड़ा एक्शन लिया है। इनमें ऑपरेटर चेतना विश्वकर्मा, यश गहलोत, हर्षिता सिसोदिया, आकाश उज्जैनिया, शिवानी मकवाना, राज सरगरा, विनोद मकवाना, हर्षिता आर्या, शक्ति सिंह और राधिका त्रिपाठी को सस्पेंड किया गया है।

नंदीगृह में केक काटने पर नोटिस, प्रतिबंध लग चुका है

करीब 6 साल पहले महाकाल मंदिर के नंदी गृह में नंदिनी जोशी और साधना उपाध्याय नाम की श्रद्धालुओं ने केक काटकर जन्मदिन मनाया था। इसका वीडियो सामने आने के बाद तत्कालीन कलेक्टर मनीष सिंह के निर्देश पर कोर्ट में दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा 107 और 116 के तहत केस दर्ज कर नोटिस जारी किए गए थे।दोनों का मंदिर में एक महीने तक प्रवेश प्रतिबंधित किया गया था। यहीं नहीं, सहयोग करने वाली महिला होम गार्ड पर भी कार्रवाई की गई थी।